आओ
उर्दू पढ़ना लिखना सीखें
آؤ اردو پڑھنا لکھنا سیکھیں
हिन्दी जानने वालों के
लिए बहुत कम समय में
उर्दू सिखाने वाली एक
मात्र पुस्तक उर्दू
शब्दकोष सहित
प
ا
ब
پ
अ
ب
ک
क
گ
ख़
ग
خ
अल इत्तिहाद पब्लिकेशन्स प्रा॰लि॰

आओ

उर्दू पढ़ना लिखना सीखें

آؤ اردو پڑھنا لکھنا سیکھیں

हिन्दी जानने वालों के लिए
बहुत कम समय में उर्दू सिखाने वाली एक मात्र पुस्तक
उर्दू शब्दकोष सहित

आबिदा नसरीन

एम०ए०(उर्दू) बी० एड०

آؤاردو پڑھنا لکھنا سیکھیں

आओ उर्दू पढ़ना लिखना सीखें

پہلا ایڈیشن:2004

الاتحاد پبلیکیشن

अल इत्तिहाद पब्लिकेशनस

B-35बेसमेण्ट निज़ामुद्दीन(वेस्ट) नई दिल्ली110013

24352048:फैक्स24352732 :फोन

قیمت:30 روپے

طباعت:بھارت آفسیٹ 2035 گلی قاسم جان، بلی ماران دہلی-110006

दो शब्द

जी हाँ, हम आप ही से मुख़ातिब है!

उर्दू भाषा भारत की पन्द्रह मान्य भाषाओं में से एक है। उर्दू भाषा कई भाषाओं की क्रीम है अतः इस में बड़ा मिठास है, शीरीनी है। इस भाषा के अलकाब व आदाब को कहना सुनना दिलों दिमाग को बहुत ही भला लगता है। इस भाषा के शब्दों में जादू-सा है। जो एक बार उर्दू सीख जाता है। वह जीवन पर्यन्त इस भाषा को अपने सीने से लगाये रखता है। यही कारण है कि बहुत से बुजुर्ग भारत में आज भी ऐसे मिलते हैं जो बिना धर्म जाति और रंग भेद के उर्दू को दिल की गहराइयों से प्यार करते हैं।

भारत की बहुत बड़ी इण्डस्ट्री फिल्मी दुनिया से यदि उर्दू को अलग कर दिया जाये तो यह सम्पूर्ण इण्डस्ट्री एक आत्माहीन शरीर के समान दिखायी देगी। भारत के बड़े भूभाग पर लोगों के दिलों पर उर्दू का राज आज भी है, भले ही उन की लिपि कोई हो, वे उर्दू शब्दों को अपनी बोलचाल की भाषा में नित प्रतिदिन काठिनाई से उच्चारण कर के स्वयं को गौरवशाली समझते हैं।

भारत के इतिहास में एक ऐसा समय भी रहा है जब कि उर्दू को पूर्ण सरकारी सरंक्षण न मिलने तथा रोज़गार से न जुड़ने के कारण बहुत कम पढ़ा लिखा गया किन्तु शेर-ओ-शायारी तथा मुशायरों की महाफिलों ने उस समय भी उर्दू का झण्डा ऊँचा उठाये रखा और अब उसी पीढ़ी के तथा कुछ नयी पीढ़ी के युवा वर्ग को फिर से उर्दू पढ़ने लिखने का शौक पैदा हुआ है, जिसके लिये ये लोग सहायता के पात्र हैं।

यूं तो भारत में बहुत से प्रदेशों में उर्दू अकादमी स्थापित कर के पुनः उर्दू को प्रोत्साहन दिया गया है तथा केन्द्रीय सरकार के आधीन उर्दू प्रोत्साहन संस्थान (उर्दू प्रोमोशन ब्योरो) की भी स्थापना हुई है तथा अलीगढ़ (उ०प्र०) में जामिया उर्दू के द्वारा इस भाषा के प्रोत्साहन की बड़ी कोशिश की गयी है और हैदराबाद में तो मुक्त विश्वविद्यालय "मौलाना आज़ाद उर्दू विश्वविद्यालय" भी आरम्भ हो चुका है तथा मेरा ऐसा अनुभव रहा है कि देश वासियों की एक बड़ी संख्या, विशेष कर हिन्दी भाषा का ज्ञान रखने वाली, भी उर्दू सीखने की इच्छुक रहती है। अतः इन्हीं लोगों की सहायता के लिये इस कोर्स **''आओ उर्दू पढ़ना लिखना सीखे''** को तैयार किया गया है। आशा है कि ये लोग इसका पूरा-पूरा लाभ उठायेगें।

अन्त में सभी लेखकों प्रकाशकों तथा विज्ञानों का सहृदय आभार व्यक्त करना मेरा परम कर्त्तव्य एवं सौभाग्य है जिनसे किसी भी प्रकार की सहायता इस पुस्तक एवं कोर्स की तैयारी में प्राप्त हुई।

आबिदा नसरीन

समपर्ण
(इन्तेसाब)

अपने जीवन साथी(ख़ाविन्द)

डा० एम०शमून

के नाम जिनसे मुझे

लेखन की प्रेरणा मिली।

हिन्दी से उर्दू सीखिए

यूँ तो हिन्दी माध्यम से उर्दू सिखाने वाली अनेक पुस्तकों उपलब्ध हैं परन्तु ऐसी पुस्तक की कमी थी जो वैज्ञानिक ढंग से हिन्दी भाषियों को सरलता से उर्दू सिखा सके। उर्दू लर्निंग कोर्स ने एक हद तक इस कमी को पूरा कर दिया है। प्रस्तुत पुस्तक में लेखक ने उर्दू अक्षरों और उनके बदले रूपों (शक्लों) की पहचान आसान तरीक़े से करायी है। उर्दू अक्षरों को जोड़कर शब्द बनाने की जानकारी भी स्पष्ट निर्देशों के साथ दी गयी है। पुस्तक की सहायता से पाठक उर्दू भाषा को लिखने और पढ़ने में शीघ्र ही कुशलता प्राप्त कर सकते हैं। इससे यह भी पता चलता है कि किन शब्दों में किन अक्षरों का प्रयोग किया जाता है। यह भी बताया गया कि उर्दू भाषा के कौन से अक्षर आने बाद में आने वाले अक्षरों से जुड़जाते हैं और कौन से नहीं जुड़ते। यह सब बातें स्पष्ट उदाहरणों द्वारा समझाने का प्रयास किया गया है।

इस पुस्तक की एक विशेषता है इसमें दिया गया उर्दू शब्दाकोष जिसमें उर्दू भाषा के बहुत से शब्द दिए गए है। शब्दाकोश में उर्दू अल्फ़ाज़ का हिन्दी में उच्चारण तथा उनके अर्थ भी दिये गये हैं। लेखक ने पाठों को उचित ढंग से सिलसिलेवार पेश किया है। एक हिन्दी भाषी बिना अध्यापक की सहायता के इस पुस्तक से स्वतः ऊर्द भाषा की जानकारी प्राप्त कर सकता है।

इस पुस्तक का मुख्य पृष्ट और मुद्रण सुन्दर है। आशा है कि आप हिन्दी माध्यम से अपने घर पर ही बिना अध्यापक के उर्दू सीखने में इस पुस्तक से लाभान्वित होंगे।

प्रकाशन

विषय सूची

पूर्ण उर्दू वर्णमाला

नोट:-उर्दू दायें से बायें पढ़ी और लिखी जाती है। उर्दू में कुल ३९अक्षर होते है।तीन अक्षर इन के अतिरिक्त जैसे ھ لا तथा ء अक्षर को उर्दू में हरफ़ तथा शब्द को लफ्ज़ कहजे हैं। हरफ का बहुवचन हरूफ तथा लफज का अल्फाज़ कहलाता है।

अलिफ	ا	रे	ر	क़ाफ	ق
बे	ب	ड़े	ڑ	काफ	ک
पे	پ	ज़े	ز	ग़ाफ	گ
ते	ت	झे	ژ	लाम	ل
टे	ٹ	सीन	س	मीम	م
से	ث	शीन	ش	नून	ن
जीम	ج	साद	ص	वाव	و
चे	چ	ज़ाद	ض	ह	ہ
हे	ح	तो	ط	हा	ھ
खे	خ	ज़ो	ظ	ला	لا
दाल	د	ऐन	ع	हम्ज़ा	ء
डाल	ڈ	ग़ैन	غ	य	ی
ज़ाल	ذ	फे	ف	या	ے

कुछ ज़िशेष अक्षर

हिन्दी के ऐसे अक्षर जिनके लिए उर्दू के दो अक्षर मिलाने पड़ते है तभी उनका आशय पूर्ण हो पाता है।

भ	بھ	ध	دھ
फ	پھ	ढ	ڈھ
थ	تھ	ढ़	ڑھ
ठ	ٹھ	ख	کھ
झ	جھ	घ	گھ
छ	چھ		

उर्दू अक्षरों की सही अवाज़ो के

लिए प्रयोग होने वाले हिन्दी अक्षर

हिन्दी	उर्दू	हिन्दी	उर्दू	हिन्दी	उर्दू
अ	ا	ज़	ز	म	م
ब	ب	झ	ژ	न	ن
प	پ	स	س	व	و
त	ت	श	ش	ह	ہ
ट	ٹ	स	ص	य	ی
स	ث	ज़	ض	भ	بھ
ज	ج	त	ط	फ	پھ
च	چ	ज़	ظ	थ	تھ
ह़	ح	अ़	ع	ट	ٹھ
ख़	خ	ग़	غ	झ	جھ
द	د	फ़	ف	छ	چھ
ड	ڈ	क़	ق	ध	دھ
ज़	ذ	क	ک	ढ़	ڈھ
र	ر	ग	گ	ढ़	ڑھ
ड़	ڑ	ल	ل	ख	کھ

उर्दू के ४६ अक्षर

उर्दू वर्ण अपने असली रूप में कुल ३६ हैं। इसमे ں ال तथा ء को जोड़ दिये जाय तो ३९ अ बन जाते हैं जैसा कि प्रथम पृष्ट में बताया गया था किन्तु यहाँ इनको अलग निकाल कर तथा निम्नलिखित ११ अक्षरों को लेकर कुल ४६ अक्षरों को तीन चरणें में रखा जायगा।

आप जानतें हैं कि उर्दू मे हिन्दी की तरह भारी अवाज़ वाले अक्षर नही है। किन्तु उर्दू के ११ अक्षरों के आगे इस तरह की दो चश्मी हे (ھ)या दो आख़ें लगा देने से हिन्दी के भारी आवाज़ वाले अक्षर बन जाते हैं।

उर्दू ,अरबी, फारसी तथा कई अन्य भाषाओं का रस है अतः इसमें बड़ी शीरीनी (मिठास) होती है।
अब आप को उर्दू वर्णमाला तीन चरणों में सिखाई जाएगी।

प्रथम चरण:

इस चरण में उर्दू के अक्षरों में से २१ अक्षरों को चुना गया है।

द्वितीय चरण:

इस चरण में उर्दू के संयुक्त अक्षर अर्थात हिन्दी के भारी अवाज वाले ११ अक्षरों को सिखाया जायेगा।

तृतीय चरण:

उर्दू वर्णमाला के शेष १४ अक्षरों का अभ्यास कराया जायेगा। यह १४ अक्षर वास्तव में अरबी तथा फारसी भाषा के हैं।

उर्दू के २१ अक्षरों के नाम

आपकी जानकारी के लिए उर्दू अक्षरों के उच्चारण लिखे जा रहे हैं जिससे आप उन्हे ठीक से बोल सकें,समझ सकें।

ل	ڑ	ج	ا
लाम	**ड़े**	**जीम**	**अलिफ**
م	س	چ	ب
मीम	**सीन**	**चे**	**बे**
ن	ش	د	پ
नून	**शीन**	**दाल**	**पे**
و	ک	ڈ	ت
वाव	**काफ**	**डाल**	**ते**
ہ	گ	ر	ٹ
हे	**गाफ़**	**रे**	**टे**

ی

ये

द्वितीय चरण

उर्दू के संयुक्त ११ अक्षर

उर्दू मे भारी आवाज़ वाले अक्षर अलग से नहीं हैं। सीखे हुए अक्षर में ऐसी (ھ) दो आँखें छोटी हे की दूसरी अरबी शकल- दो चश्मी हे(ھ)लगाने से यह अक्षर बन जाते हैं। इन्हें हिन्दी में अलग अक्षर की तरह पढ़िये।

ढ	ڈھ	=	ھ	+	ڈ	फ	پھ	=	ھ	+	پ
ढ़	ڑھ	=	ھ	+	ڑ	थ	تھ	=	ھ	+	ت
ख	کھ	=	ھ	+	ک	ठ	ٹھ	=	ھ	+	ٹ
घ	گھ	=	ھ	+	گ	झ	جھ	=	ھ	+	ج
भ	بھ	=	ھ	+	ب	छ	چھ	=	ھ	+	چ
ध	دھ	=	ھ	+	د						

उर्दू के शेष १४ अक्षर

उर्दू वर्णमाला में १४ अक्षर निम्नलिखित हैं। इन अक्षरों से बने हुए शब्द अरबी तथा फारसी के भी होते हैं।

हिन्दी अक्षर	उच्चारण	उर्दू अक्षर	हिन्दी अक्षर	उच्चारण	उर्दू अक्षर
ज़	ज़ाद	ض	स	से	ث
त	तो	ط	ह़	हे	ح
ज	ज़ो	ظ	ख़	ख़े	خ
अ़	ऐन	ع	ज़	ज़ाल	ذ
ग़	ग़ैन	غ	ज़	ज़े	ز
फ़	फ़े	ف	.झ	झे	ژ
क़	क़ाफ	ق	स	स्वाद	ص

उर्दु अक्षर के सामने अक्षर का नाम, फिर उसके स्थान पर हिन्दी में प्रयोग होने वाला वर्ण लिखा गया है।

उर्दू के कुछ वर्णों का विशेष अध्ययन

१.ऐसे अक्षर जिनके रूप भिन्न हैं किन्तु अवाज़ लगभग एक जैसी है। जैसे:

		त ۸-ت	स ۵-س	ज़ ۱-ذ
		त ۹-ط	स ۶-ث	ज़ ۲-ز
अ ۱۲-ا	ह ۱۰-ہ		स ۷-ص	ज़ ۳-ض
अ़ ۱۳-ع	ह़ ۱۱-ح			ज़ ۴-ظ

२. ऐसे अक्षर जिनके रूप मिलते जुलते हैं किन्तु अवाज़ भिन्न है। मुख की विभिन्न क्रियाओं से अवाज़ें निकलती हैं। जैसे:

र	ر	फ़	ف	द	د	अ	ع
ज़	ز	क़	ق	ज़	ذ	ग़	غ
स	س	त	ط	ब	ب	ज	ج
श	ش	ज़	ظ	प	پ	च	چ
		स	ص	ट	ٹ	ह	ح
		ज़	ض	स	ث	ख़	خ

अक्षर पहचानने का अभ्यास करें

ا

ب پ ت ٹ ث

ج چ ح خ

د ڈ ذ

ر ڑ ز ژ

س ش ص ض

ط ظ ع غ

ف ق ک گ

ل م ن و

ہ ی ے

بھ پھ تھ ٹھ

جھ چھ دھ ڈھ ڑھ

کھ گھ

अक्षरों की बनावट

लिखने का अभ्यास करने से पूर्व अक्षरों की बनावट आदि ध्यान से देखिये:-

१. खड़े अक्षर:-

ا ا ا

लिखने का अभ्यास इस प्रकार करें:

ا ط ط

ا ط ظ

२ .लेटे अक्षर:-

इस प्रकार अभ्यास करें:

ب پ ت ٹ ث ف ک گ ے ب

३ .आधे खड़े आधे लेटे अक्षर:-

و

प्रत्येक अक्षर को बार बार बनायें:

د ڈ ذ ر ڑ ز ژ و

४.बायीं ओर से आरम्भ होकर दायीं ओर मुड़ने वाले अक्षर जैसे :-

ج ج چ ح خ ء ع ع ع غ

५.दायीं ओर से आरम्भ होकर बायीं ओर मुडने वाले अक्षर जैसे:-

س س س ش ص ص ض ق ل ن ی

बिना बिन्दी(नुक़ते)वाले अक्षर

बिन्दी(नुक़ते)वाले अक्षर

१ .अक्षर जिनके उपर एक बिन्दी(नुक़ता) होती हैं। जैसे:-

خ ذ ز ض ظ غ ف

२ .अक्षर जिनके उपर दो बिन्दियाँ(नुक़ते) होती हैं। जैसे:-

ت ق

३ .अक्षर जिनके उपर तीन बिन्दियाँ(नुक़ते) होती हैं। जैसे:-

ث ژ ش

४ .अक्षर जिसके नीचे एक तथा तीने बिन्दियाँ(नुक़ते) होते है:-

५ .ऐसे अक्षर जिनके पेट में एक(नुक़ता) तथा तीन बिन्दियाँ (नुक़ते)

होती है। जैसेः-

ج ن چ

६.ऐसे अक्षर जो किसी शब्द के अंत में प्रयोग होने पर बिना बिन्दी(नुक़ते) के होते है, किन्तु जब किसी दूसरे अक्षर से मिल कर प्रयोग होते हैं तो इनके अपने "विशेष चिन्ह" (ي) के नीचे दो बिन्दियाँ (नुक़ते) होती हैं। जैसेः-

ی ي ے ي

७.ऐसे अक्षर जिन पर छोटी सी 'तो' होती है।

ٹ ڈ ڑ

८.ऐसे अक्षर जिन पर एक या दो मरकज़ तिरछी रेखायें

(ـــ ـــ)होते हैं।

उर्दू अक्षरों की लिखाई

निम्नलिखित अक्षरों को ठीक लकीर के उपर लिखिये :-

उर्दू अक्षरों की लिखाई

निम्नलिखित अक्षरों को आधा लकीर के उपर और आधा लकीर के नीचे लिखिये :-

लिखाई में पूरे तथा आधे अक्षर

१. यह बात ध्यान में रखिये कि उर्दू अक्षरों के मोटे तौर पर दो रूप हैं और इसका आभास उस समय होता है जब एक से अधिक अक्षरों को मिलाकर शब्द बनाते है।

पहला "पूरा रूप" तथा दूसरा आधा या सिरा किन्तु दोनों की आवाज़ पूरी मानी गई है। बारह अक्षरों को छोड़ कर जो पूरे लिखे जाते हैं, शेष सभी अक्षरों के सिरे के भाग लिखे जातें हैं, चाहे शब्द के आरम्भ में आयें या बीच में और यह अक्षर मिला मिला कर लिखे जाते हैं।

लेकिन शब्द के अन्त में कोई भी अक्षर आये तो वह पूरा ही लिखा जाता है।

२. अक्षर का सिरा या आधा अक्षर या चिन्ह जब किसी दूसरे अक्षर से मिलता है तो कभी कभी इसका सिरा दो या दो से अधिक आकारों में से किसी एक अकार का बन जाता है। मगर इस विवरण में जाने की अवश्यकता नही है।

उर्दू लिखाई की वनावट ऐसी है कि जब आप मिला कर लिखेंगे तो स्वयं आपके सामने आ जाएगा। आपको केवल शब्द लिखते समय उस पर ध्यान देना ही प्रयाप्त है।

इमला लिखने का तरीक़ा

उर्दू श्रुत लेखन में दो प्रश्न हमारे सामने आते है:-

१.किसी शब्द के लिखने में कौन सा अक्षर पूरा और कौन सा अक्षर आधा लिखा जाये। जैसा कि पिछले पृष्ट मे बताया गया है।

२. कौन सा अक्षर अलग-अलग तथा कौन सा अक्षर मिलाकर लिखा जाएगा। इसका भी संकेत पिछले पृष्ट मे दिया जा चुका है।

इसके लिए एक फारमूला बनाया गया है। वह इस प्रकार है कि अक्षरों को तीन समूहों में बाँट दिया है।

१. प्रथम समूह

२. द्वितीय समूह

३. तृतिय समूह

१. प्रथम समूह: इस समूह के अर्न्तगत वे अक्षर आतें हैं, जो शब्द में पूरे पूरे लिखे जाते हैं क्यों कि इनके दो रूप नही हैं। वे अक्षर ये हैं:-

ا ر ڑ ز ژ ط ظ

ये अक्षर जब किसी शब्द के आरभ में आतें हैं तो ये पूरे तथा अलग लिखे जाते हैं और इन की शक्ल में कोई परिर्वतन नही होता परन्तु इनमें से ر ڑ ز अक्षर जब बीच मे किसी दूसरे अक्षर के साथ मिलकर लिखें जातें हैं तो इनकी शक्ल में परिवर्तन आ जाता है। जैसे:-

अम्मा	امّا	=	ا	+	ﺴ	+	مّ	+	ا
अदद	عدد	=			د	+	د	+	ع
दलदल	دلدل	=	ل	+	د	+	ل	+	د

अलिफ (ا) एक ऐसा अक्षर है कि जब कोई शब्द इससे आरम्भ होता है तो वह हमेशा पूरा और अलग लिखा जाता है, वरना मिला कर लिखा जाता है। जैसे ऊपर अम्मा मे पहला अलिफ पूरा तथा दूसरा अलिफ मिलाकर लिखा गया है।

''अदद'' मे एक दाल का रूप बदल गया है।

''दलदल'' मे दूसरे दाल का रूप बदल गया है।

२.**द्वितीय समूह:** इस समूह के अर्न्तगत वे अक्षर आतें हैं, जो शब्द के लिखने में यदि आरम्भ में या बीच में आयें तो आधे रूप या सिरे या चिन्ह लिखे जाते है। शब्द के अन्त में आयें तो ये पूर्ण रूप से मिला-मिला कर लिखे जाते हैं।

नोट: *यदि ये अक्षर अंत में आंए तो पूरे ही लिखे जाते है।*

ب پ ت ٹ ث ج چ ح خ

س ش ص ض ف ق ک

گ ل م ن ہ ی ے

३. **तृतिय समूह:** इस समूह के अर्न्तगत भारी आवाज़ वाले वे अक्षर आतें हैं, जो उर्दू के मूल अक्षर में दो आँखें अर्थात दो चशमी हे(ھ) लगाने से बनते हैं।

بھ پھ تھ ٹھ جھ چھ کھ گھ دھ ڈھ

प्रथम समूह वाले अक्षर

पूरे तथा आधे अक्षरों का प्रयोग

१ .प्रथम समूह के हर एक अक्षर का ''पूरा रूप'' ''आधा रूप'' या ''सिरा'' या ''चिन्ह'' नीचे लिखा जाता है।

आप सबसे पहले पूरा अक्षर पढ़िये, फिर उसी के साने उसकी एक या दो या तीन आधी शक्लें या सिरे या चिन्ह ध्यान से देखिए। फिर इन आधे अक्षरों या सिरों का प्रयोग आगे दिए गए शब्दों में देखिए:-

बच	بچ				چ	ب
अकबर	اکبر		ر	بـ	ک	ا
तौबा	توبہ		ہ	بـ	و	ت
पुष्पा	پُشپا	ا	پـ	س	ش	پ
कानपुर	کانپور	ر	پ و	ن	ا	ک
कापी	کاپی		ی	پ	ا	ک
तीतर	تیتر		ر	تـ	یـ	ت
अक्तूबर	اکتوبر	بر	و	ت	ک	ا

आती	آتی			ی	ت	آ
टमटम	ٹمٹم		م	ٹ	م	ٹ
टमाटर	ٹماٹر	ر	ٹ	ا	م	ٹ
काटी	کاٹی		ی	ٹ	ا	ک
समर	ثمر			ر	م	ث
निसार	نثار		ر	ا	ث	ن
मिस्ल	مثل			ل	ث	م
जब	جب				ب	ج
बिजली	بجلی		ی	ل	ج	ب
मस्जिद	مسجد		د	ج	س	م
चल	چل				ل	چ
अचकन	اچکن		ن	ک	چ	ا
चार	چار			ر	ا	چ
हक़	حق				ق	ح

लिहाफ़	لحاف		ف	ا	ح	ل
हाल	حال			ل	ا	ح
ख़त	خط				ط	خ
तख़्त	تخت			ت	خ	ت
ख़ुदा	خدا			ا	د	خ
सच	سچ				چ	س
बर्सी	برسی		ی	س	ر	ب
हसन	حسن			ن	س	ح
शक	شک				ک	ش
रशीद	رشید		د	یے	ش	ر
शीश	شیشہ		ہ	ش	یے	ش
साफ़	صاف			ف	ا	ص
नासिर	ناصر		ر	ص	ا	ن
किस्सा	قصّہ			ہ	ص	ق

ज़िद	ضد				د	ض
मज़बूत	مضبوط	ط	و	ب	ض	م
राज़ी	راضی			ی	ض	ر
आलिम	عالم		م	ل	ا	ع
सईद	سعید		د	ی	ع	س
मना	منع			ع	ن	م
गुल	غل				ل	غ
बग़ल	بغل			ل	غ	ب
बालिग़	بالغ		غ	ل	ا	ب
फ़न	فن				ن	ف
सफ़र	سفر			ر	ف	س
शरीफ़ा	شریفہ	ہ	ف	ی	ر	ش
क़लम	قلم			م	ل	ق
फ़क़त	فقط			ط	ق	ف

चाक़ू	چاقو		و	ق	ا	چ
कब	کب				ب	ک
वकील	وکیل		ل	ـیـ	ک	و
चक्की	چکی			ی	ک	چ
गप	گپ				پ	گ
चिमगादड़	چمگادڑ	ڑ	د	گا	م	چ
चरागाह	چراگاہ	ہ	ا	گ	را	چ
लग	لگ				گ	ل
सलीम	سلیم		م	ـیـ	ل	س
केला	کیلا		ا	ل	ـیـ	ک
मत	مت				ت	م
ज़मीन	زمین		ن	ـیـ	م	ز
सुर्मा	سرمہ		ہ	م	ر	س
क़ानून	قانون	ن	و	ن	ا	ق

नस	نس				س	ن
पानी	پانی		ی	ن	ا	پ
हल	ہل				ل	ہ
हाज़िम	ہاضم		م	ض	ا	ہ
शहर	شہر			ر	ہ	ش
यह	یہ				ہ	ی
वजह	وجہ			ہ	ج	و
न:	نہ				ہ	ن
यही	یہی			ی	ہ	ی
क्यों	کیوں		ں	و	یے	ک
खाया	کھایا	ا	یے	ا	ھ	ک
सेब	سیب			ب	یے	س
केले	کیلے		ے	ل	یے	ک
देर	دیر			ر	یے	د

द्वितीय समूह वाले अक्षर

निश्चित रूप से इस समूह वाले १२ अक्षरों का प्रयोग "पूरे अक्षर" के रूप में होता है, किन्तु लिखने के बाद इनमें से ९ अक्षरों की थोड़ी सी शक्‍ल अवश्य बदल जाती है।

बदन	بدن	بد	د
अज़ाब	عذاب	بذ	ذ
निडर	نڈر	نڈ	ڈ
रबर	ربر	بر	ر
इड़ा	بڑا	بر	ڑ
कनीज़	کنیز	نز	ز
मिझगाँ	مژگان	نژ	ژ
क़तरह	قطرہ	طر	ط
तोता	طوطا	طا	ط
नज़र	نظر	ظر	ظ
मतलब	مطلب	لب	ل
नज़राना	نزرانہ	نز	ن
मुनासिब	مناسب	منا	م
मनजूर	منظور	منظ	م

तृतीय समूह वाले अक्षर

भाई	بھائی	بھ	=	ھ	+	ب
गोभी	گوبھی					
फल	پھل	پھ	=	ھ	+	پ
फुलका	پھلکا					
थोड़ा	تھوڑا	تھ	=	ھ	+	ت
साथी	ساتھی					
मिठाई	مٹھائی	ٹھ	=	ھ	+	ٹ
ठेला	تھیلا					
झंडी	جھنڈی	جھ	=	ھ	+	ج
झालर	جھالر					
छतरी	چھتری	چھ	=	ھ	+	چ
गुच्छा	گچھا					

खीर	کھیر	کھ	=	ھ	+	ک
चख	چکھ					
घर	گھر	گھ	=	ھ	+	گ
पनघट	پنگھٹ					
इधर	ادھر	دھ	=	ھ	+	د
दूध	دودھ					
ढ़ोल	ڈھول	ڈھ	=	ھ	+	ڈ
ढ़ाल	ڈھال					
सीढ़ी	سیڑھی	ڑھ	=	ھ	+	ڑ
चढ़	چڑھ					

दो अक्षरों से बने शब्द

अब	اب	=	ب	+	ا
बद	بد	=	د	+	ب
नस	نس	=	س	+	ن
पल	پل	=	ل	+	پ
पर	پر	=	ر	+	پ
टन	ٹن	=	ن	+	ٹ
टब	ٹب	=	ب	+	ٹ
जब	جب	=	ب	+	ج
जज	جج	=	ج	+	ج
चट	چٹ	=	ٹ	+	چ
चल	چل	=	ل	+	چ
दस	دس	=	س	+	د

د	+	م	=	دم	दम
ڈ	+	س	=	ڈس	डस
ڈ	+	ر	=	ڈر	डर
ر	+	ب	=	رب	रब
ر	+	س	=	رس	रस
س	+	ن	=	سن	सन
س	+	ر	=	سر	सर
ش	+	ک	=	شک	शक
ک	+	ب	=	کب	कब
ک	+	ل	=	کل	कल
گ	+	پ	=	گپ	गप
ل	+	ب	=	لب	लब
ل	+	ت	=	لت	लत
م	+	ت	=	مت	मत

ن + گ = نگ   नग

ہ + ٹ = ہٹ   हट

ہ + ر = ہر   हर

ی + ک = یک   यक

دھ + م = دھم   धम

بھ + ر = بھر   भर

ٹھ + ن = ٹھن   ठन

جھ + ر = جھر   झर

तीन अक्षरों से बने शब्द

ا + د + ب = اَدب   अदब

د + ر + د = درد   दर्द

و + ر + م = ورم   वर्म

گ + ر + م = گرم   गर्म

م + گ + ر = مگر — मगर

ن + م + ک = نمک — नमक

ل + ف + ظ = لفظ — लफ़ज

د + و + ا = دوا — दवा

آ + د + م = آدم — आदम

گ + ا + ل = گال — गाल

ج + ا + ٹ = جاٹ — जाट

ب + ا + ت = بات — बात

م + ا + ن = مان — मान

ر + ا + ت = رات — रात

ل + ا + ت = لات — लात

ی + ا + د = یاد — याद

....

चार अक्षरों से बने शब्द

बस्तर	بستر	=	ب + س + ت + ر
चहार	چہار	=	چ + ہ + ا + ر
हर्फ़ी	حرفی	=	ح + ر + ف + ی
चौखट	چوکھٹ	=	چ + و + کھ + ٹ
मस्जिद	مسجد	=	م + س + ج + د
मंदिर	مندر	=	م + ن + د + ر
मकतब	مکتب	=	م + ک + ت + ب
तख़्ती	تختی	=	ت + خ + ت + ی
क़तरा	قطرہ	=	ق + ط + ر + ہ
अजगत	اجگر	=	ا + ج + گ + ر
सख़्ती	سختی	=	س + خ + ت + ی
मख़मल	مخمل	=	م + خ + م + ل
अन्दर	اندر	=	ا + ن + د + ر

बाहर باہر = ب + ا + ہ + ر

जाना جانا = ج + ا + ن + ا

बिजली بجلی = ب + ج + ل + ی

मुशिकल مشکل = م + ش + ک + ل

कमरा کمرہ = ک + م + ر + ہ

दफ़तर دفتر = د + ف + ت + ر

सूरज سورج = س + و + ر + ج

ख़तरा خطرہ = خ + ط + ر + ہ

मतलब مطلب = م + ط + ل + ب

मुंशी منشی = م + ن + ش + ی

शंकर شنکر = ش + ن + ک + ر

रस्ता رستہ = ر + س + ت + ہ

मुरग़ा مرغا = م + ر + غ + ہ

बुलबुल بلبل = ب + ل + ب + ل

बकरी	بکری	=	ب + ک + ر + ی
केला	کیلا	=	ک + ی + ل + ا
हाजिर	حاضر	=	ح + ا + ض + ر
गुलाब	گلاب	=	گ + ل + ا + ب
क़ाजी	قاضی	=	ق + ا + ض + ی

पाँच अक्षरों से बने शब्द

बरसात	برسات	=	ب ر س ا ت
कशमीर	کشمیر	=	ک ش م ی ر
तक़दीर	تقدیر	=	ت ق د ی ر
तजवीज़	تجویز	=	ت ج و ی ز
मुनासिब	مناسب	=	م ن ا س ب
शहादत	شہادت	=	ش ہ ا د ت

ا ر ا د ہ = ارادہ इरादा

م ص ی ب ت = مصیبت मुसीबत

غ ن ی م ت = غنیمت ग़नीमत

ش ک ا ر ی = شکاری शिकारी

ت ح ر ی ر = تحریر तहरीर

م س ا ف ر = مسافر मुसाफिर

ا ج ا ز ت = اجازت इजाज़त

ع ب ا د ت = عبادت इबादत

ز ی ا د ہ = زیادہ ज़ियादा

ح م ا ق ت = حماقت हिमाक़त

ز ی ا ر ت = زیارت ज़ियारत

ن ص ی ح ت = نصیحت नसीहत

••••••••••••••••

ज़बर(ـَ)अर्थात मात्रा का प्रयोग

हिन्दी में अ ब ज पढ़ा जाता है, किन्तु उर्दु में इसके स्थान पर अलिफ़ (ا) बे (ب) जीम (ج) कहते हैं। अलिफ़ बे जीम का अ ब ज बनाने के लिए आपको इन पर ज़बर(ـَ) अर्थात एक छोटी तिरछी लकीर लगाना पड़ेगा। ज़बर सदैव अक्षर के ऊपर लगया जाता है। ज़बर को अ या उसकी मात्रा "ा" समझना ग़लत है, क्योकि "अ" या इसकी मात्रा के लिए अलिफ़(ا) का प्रयोग होता है।

अ	ब	=	अब	اَبْ	=	ب	ا
र	ब	=	रब	رَبْ	=	ب	ر
द	स	=	दस	دَس	=	س	د
र	स	=	रस	رَس	=	س	ر
ड	र	=	डर	ڈَر	=	ر	ڈ
द	र	=	दर	دَر	=	ر	د
र	ट	=	रट	رَٹ	=	ٹ	ر
द	ब	=	दब	دَب	=	ب	د
ड	ट	=	डट	ڈَٹ	=	ٹ	ڈ
द	म	=	दम	دَم	=	م	د

जज़्म (ْ)का प्रयोग

(क) जज़्म एक अक्षर को दूसरे अक्षर से मिलाने के लिए प्रयोग किया जाता है। (ख) जज़्म जिस अक्षर पर लगाते है वह साकिन अर्थात स्थिर हो जाता है। हिन्दी में इसके स्थान पर आधे अक्षर या हलंत का प्रयोग होता है।

अब्	=	अब	اَبْ
रब्	=	रब	رَبْ
दस्	=	दस	دَسْ
रस्	=	रस	رَسْ
डर्	=	डर	ڈَرْ
रट्	=	रट	رَٹْ
रह्	=	रह	رَہْ
दब्	=	दब	دَبْ
डट्	=	डट	ڈَٹْ
दम्	=	दम	دَمْ

नोटः किन्तु आसानी के लिए हिन्दी में हलंत का प्रयोग नहीं किया जाता है।

जज़्म को जज़म भी कहते हैं।

जज़्म तथा ज़बर मात्राओं का अभ्यास

مشق کیجیے

जम	جَمْ	तब	تَبْ	चब	چَبْ	अब	اَبْ
चट	چَٹْ	तर	تَرْ	बद	بَدْ	अड़	اَڑْ
चर	چَرْ	तन	تَنْ	बर	بَرْ	दब	دَبْ
चल	چَلْ	टब	ٹَبْ	बड़	بَڑْ	दर	دَرْ
सब	سَبْ	टल	ٹَلْ	बस	بَسْ	दस	دَسْ
सच	سَچْ	टन	ٹَنْ	बम	بَمْ	दम	دَمْ
गज़	گَزْ	जब	جَبْ	पड़	پَڑْ	दल	دَلْ
मर	مَرْ	जज	جَجْ	पर	پَرْ	डर	ڈَرْ
नग	نَگْ	जल	جَلْ	फल	پھَلْ	डस	ڈَسْ
मन	مَنْ	हल	ہَلْ	नट	نَٹْ	रब	رَبْ

हम هَمْ नस نَسْ नम نَمْ रट رَٹْ

नीचे तीन अक्षरों वाले शब्द दिये जा रहे हैं। पहले अक्षर पर ज़बर दूसरे पर जज़्म और तीसरा बिना किसी ज़बर तथा जज़्म का अक्षर अर्थात साकिन है।

वह इसलिए कि यह नियम है कि यदि शब्द का अन्तिम अक्षर ''पूरा अक्षर'' है तो वह जज़्मत लगा हुआ अर्थात हलंत (क्) पढ़ा जायेगा।

इस प्रकार हिन्दी व्याकरण के अनुसार जज़्म लगा हुआ उर्दू अक्षर आधा पढ़ा जायेगा। बिना जज़्म और ज़बर का अंतिम अक्षर भी हमेशा पढ़ा जायेगा।

गर्म	گَرْم	तख़्त	تَخْت
सर्द	سَرْد	सख़्त	سَخْت
दर्द	دَرْد	वक़्त	وَقْت
गर्द	گَرْد	बन्द	بَنْد
नर्म	نَرْم	जज़्म	جَزْم

• • • • • • • • • •

हिन्दी की मात्राओं के लिए
उर्दू विकल्प

आ की मात्रा (ा) के स्थान पर उर्दू में अलिफ़ (ا)का प्रयोग होता है।

र	ा	ज	=	राज	راج	=	ج	ا	ر
ब	ा		=	बा	با	=		ا	ب
ज	ा		=	जा	جا	=		ا	ج
बा	जा		=	बाजा	باجا	=	ا	ج	با

बाल	بال	दादा	دادا
नाक	ناک	दारा	دارا
कान	کان	दाल	دال
हाथ	ہاتھ	दाम	دام
हार	ہار	राह	راہ
बात	بات	वाह	واہ
नाच	ناچ	रात	رات
काम	کام	वार	وار

आ की मात्रा (ा)
अलिफ़ (ا) का अभ्यास

مشق کیجیے:

با پا تا ٹا ثا جا چا خا دا ڈا را ڑا زا

سا شا صا طا عا فا قا کا گا لا ما نا ہا یا

بابا باجا باڑا تارا تاڑا تالا تاگا تایا ٹاپا

ٹالا جاڑا جاگا جانا چاچا چارا داغا دانا

سایا کاتا کانا کاٹا کالا گارا گانا گایا لایا

جملے بنانے کی مشق کیجیے:

دارا آیا	باجالایا	گاناگایا
دارا آیا	باجالایا	گاناگایا
شاما آیا	تالالایا	تاگالایا
نارانا چا	چاچا جاگا	بابالایا
ڈاکاڈالا	باباہارا	تاگالانا
دارامالالایا	آرالایا	گارالانا

आ = آ

उर्दू में अलिफ़ अक्षर पर" ~ "निशान लगा देने से इसकी आवाज़ दो अलिफ़ के बराबर या "आ" के बराबर हो जाती है। इसको थोड़ा खींचकर बोलना होता है। इस निशान " ~ " को "मद" कहते हैं। इसे आप "अलिफ़मद" कह सकते हैं। मद केवल अलिफ़ पर लगता है। आ = آ जैसे:

آن	آپ	آگ	آم	آج
आन	आप	आग	आम	आज

مشق کیجیے

आदाब	آداب	आपा	آپا
आराम	آرام	आया	آیا
आलू	آلو	आटा	آٹا
आता	آتا	आना	آنا
आरा	آرا	आजा	آجا
आदम	آدم	आलू	آلو
आस	آس	आँख	آنکھ
आकर	آکر	आसमान	آسمان
आलाम	آلام	आवाज़	آواز

इ-ि मात्रा (--ِ) का प्रयोग

उर्दू में "ि" की मात्रा के स्थान पर ज़ेर (--ِ) का प्रयोग जोता है। ज़ेर (--ِ) सदैव अक्षर के नीचे तिरछी लकीर लगाते हैं। जैसे:

ٹِ	تِ	پِ	بِ	اِ
टि	ति	पि	बि	इ
ڈِ	دِ	خِ	چِ	جِ
डि	दि	ख़ि	चि	जि
شِ	سِ	زِ	ڑِ	رِ
शि	सि	ज़ि	ड़ि	रि
گِ	کِ	قِ	فِ	غِ
गि	कि	क़ि	फ़ि	ग़ि

یِ	ہِ	وِ	نِ	مِ	لِ
यि	हि	वि	नि	मि	लि

दि न = दिन دِنْ = ن دِ

दि ल = दिल دِل = ل دِ

इ "ि" (ـِ) का अभ्यास

इ- "ि" की मात्रा के साथ-साथ जज़्म (ْ)का भी अभ्यास किजिये:

सिर	سِرْ	तिल	تِلْ	बिक	بِکْ
सिल	سِلْ	जिस	جِسْ	बिल	بِلْ
किस	کِسْ	चित	چِتْ	बिन	بِنْ
किन	کِنْ	चिड़	چِڑْ	पित	پِتْ
मिट	مِٹْ	चिक	چِکْ	पिट	پِٹْ
मिल	مِلْ	गिन	گِنْ	पिस	پِسْ
हिल	ہِلْ	गिर	گِرْ	जिन	جِنْ
बिल	بِلْ	ज़िद	ضِدْ	निब	نِبْ
दिक़	دِقْ	दिल	دِلْ	पिन	پِنْ
इस	اِسْ	दिन	دِنْ	इन	اِنْ

ई-ी = ی का प्रयोग व अभ्यास

उर्दू में ई की मात्रा के स्थान पर "ये" (ی) और इसका चिन्ह (ﹻ) अर्थात अक्षर में नीचे दो नुक़्ते का प्रयोग किया जाता है। शब्द के अंत में इसका पुरा ही लिखते हैं। जैसे ी = ی

ी	दी	की	کی	دی	د+ی
जी	घी	टी	ٹی	گھی	جی

مشق کیجیے:

दाढ़ी	داڑھی	पानी	پانی
सर्दी	سردی	कापी	کاپی
आरी	آری	साथी	ساتھی
गाड़ी	گاڑی	बीबी	بی بی
शाही	شاہی	काशी	کاشی
नामी	نامی	बर्फी	برفی
नाची	ناچی	हाथी	ہاتھی
बर्सी	برسی	साथी	ساتھی
रानी	رانی	चर्खी	چرخی

ی का आधा रूप जो वास्तव में दो नुक़्तों का चिन्ह है, जो निम्न प्रकार से लिखते हैं। जैसः-

पीर	پیر	तीर	تیر
चील	چیل	खीर	کھیر
रील	ریل	मील	میل
नीला	نیلا	नीचा	نیچا
सलीम	سلیم	अमीर	امیر
ज़मीन	زمین	शीशा	شیشہ
रशीद	رشید	तीस	تیس
नसीम	نسیم	टीला	ٹیلا
फ़क़ीर	فقیر	जीता	جیتا
लकीर	لکیر	दीन	دین
फ़ीस	فیس	रीछ	ریچھ
वकील	وکیل	ज़ीन	زین
गीत	گیت	सीख	سیکھ

मीठा میٹھا

ی का आधा रूप जो वास्तव में दो नुक़्तों का चिन्ह है, जो निम्न प्रकार से लिखते हैं। जैसः-

पं.र	پیر	तीर	تیر
चील	چیل	खीर	کھیر
रील	ریل	मील	میل
नीला	نیلا	नीचा	نیچا
सलीम	سلیم	अमीर	امیر
ज़मीन	زمین	शीशा	شیشی
रशीद	رشید	तीस	تیس
नसीम	نسیم	टीला	ٹیلا
फ़क़ीर	فقیر	जीता	جیتا
लकीर	لکیر	दीन	دین
फ़ीस	فیس	रीछ	ریچھ
वकील	وکیل	ज़ीन	زین
गीत	گیت	सीख	سیکھ

मीठा میٹھا

उ-की मात्रा ُ = ُ का प्रयोग तथा अभ्यास

उर्दू में उ की मात्रा के स्थान पर पेश (ُ)का प्रयोग होता है। पेश हमेशा अक्षर के ऊपर लगाते हैं। जैसेः

اُ	بُ	جُ	دُ	سُ	مُ	کُ
उ	बु	जु	दु	सु	मु	कु

مشق کیجئے:

رُک	रूक	پُل	पुल
سُدھ	सुध	گُڑ	गुड़
سُم	सुम	گُل	गुल
سُن	सुन	گُم	गुम
گُل	गुल	کھُرپا	खुर्पा
اُس	उस	خُرما	खुर्मा
اُڑ	उड़	کُرتا	कुर्ता
اُگ	उग	مُرغا	मुर्ग़ा
بُت	बुत	سچ مُچ	सचमुच
تُل	तुल	چُگ	चुग
تُک	तुक	دُم	दुम
تُم	तुम	رُت	रूत

ऊ-की मात्रा ؒ = ؤ का प्रयोग व अभ्यास

उर्दू में ऊ की मात्रा के स्थान पर यह चिन्ह (ؤ) प्रयोग होता है। इस चिन्ह को "वाओ पर उल्टा पेश" कहते हैं। यह चिन्ह मात्रा के रूप मं अक्षर के आगे लगते हैं।

जू	جؤ	दू	دؤ
बूट	بؤٹ	बू	بؤ
खून	خؤن	लू	لؤ
सूरज	سؤرج	दूध	دؤدھ
सूत	سؤت	चूहा	چؤہا
भूल	بھؤل	दूर	دؤر
फूल	پھؤل	पूरा	پؤرا
धूप	دھؤپ	टूटा	ٹؤٹا
झूठ	جھؤٹ	सूली	سؤلی
गूदा	گؤدا	मूली	مؤلی
जूता	جؤتا	खूनी	خؤنی
चूना	چؤنا	चाकू	چاقؤ

ए की मात्रा ے = ے का
प्रयोग व अभ्यास

उर्दू में "ए" की मात्रा के स्थान पर बड़ी "ये" (ے) या इसका चिन्ह (ـیـ) प्रयोग करते हैं। यह अक्षर के आगे लगाते हैं। इसके दो रूप हैं।(१) पूरा रूप जो शब्द के अंत में लिखते हैं। जैसे :- =

उठे	اُٹھے	दे	دے
लिखे	لِکھے	रे	رے
भुने	بھُنے	बे	بے
मुझे	مجھے	ज	جے
तुझे	تجھے	से	سے
सुने	سُنے	के	کے
बिके	بِکے	ले	لے
लुटे	لُٹے	मे	مے
पिटे	پِٹے	ने	نے
सामने	سامنے	हे	ہے
गिरे	گِرے	थे	تھے

नोट :- बड़ी "ये" (ے) जब अक्षर के रूप में प्रयोग होता है।

तब इसे ''य'' माना जाता है। किन्तु मात्रा के रूप में ''ए'' की मात्रा (ے) माना जाता है।
(२) आधा रूप जो वास्तव में चिन्ह है जिसे शब्द है जिसे शब्द के बीच में लिखते हैं। जैसेः

सेठ	سیٹھ	रेल	ریل
बेटा	بیٹا	मेल	میل
तेरा	تیرا	बेर	بیر
रेखा	ریکھا	तेल	تیل
खेत	کھیت	देख	دیکھ
ठेला	ٹھیلا	चेला	چیلا
लेकिन	لیکن	केला	کیلا
जे	جیب	मेरा	میرا
सेब	سیب	पेड़	پیڑ
देर	دیر	शेर	شیر
मेज़	میز	तेज़	تیز
नेक	نیک	भेजा	بھیجا
लेना	لینا	देना	دینا
लेटा	لیٹا	बेटा	بیٹا

ऐ की मात्रा ै = ـیـ ے

प्रयोग तथा अभ्यास

उर्दू में "ऐ" की मात्रा के स्थान पर बड़ी "ये" एक विशेष निशान के साथ (ۓ) तथा इसका चिन्ह (ـیـ) प्रयोग होता है। यह मात्रा अक्षर के आगे लगाते हैं।

(२) इसके दो रूप हैं। "पूरा रूप" जो शब्द के अंत में लिखते है। जैसेः = ۓ

रै رۓ दै دۓ जै جۓ बै بۓ ऐ اۓ है ہۓ

वै وۓ नै نۓ मै مۓ लै لۓ कै کۓ सै سۓ

(२) "आधा रूप" जो वास्तव में चिन्ह है, शब्द के बीच में लिखा जाता है। जैसेः-

क़ैद	قید	तैराक	تیراک
बैर	بیر	चैन	چین
सैर	سیر	मैना	مینا
ख़ैर	خیر	नैन	نین
पैर	پیر	बैल	بیل
पैसा	پیسہ	मैल	میل
थैला	تھیلا	जैसा	جیسا
मैला	میلا	कैसा	کیسا

ओ का मात्रा-ो =و का
प्रयोग तथा अभ्यास

उर्दू में "ओ" -ो की मात्रा के स्थान पर वाओ (و) का प्रयोग होता है। इसे अक्षर के आगे लगाते है। जैसे : ो =

हो ہو शो شو लो لو को کو दो دو ओ او

बोला	بولا	ओस	اوس
लोटा	لوٹا	डोल	ڈول
मोती	موتی	शोर	شور
मानो	مانو	गोल	گول
रोटी	روٹی	होश	ہوش
भोला	بھولا	जोत	جوت
छोड़ा	چھوڑا	झोल	جھول
थोड़ा	تھوڑا	ढोल	ڈھول
घोड़ा	گھوڑا	खोल	کھول
धोका	دھوکا	ठोकर	ٹھوکر
मोर	مور	लिखो	لکھو
सोच	سوچ	पढ़ो	پڑھو
कोट	کوٹ	गोभी	گوبھی
लोग	لوگ	चोर	چور

औ की मात्रा - ौ= وْ का प्रयोग व अभ्यास

उर्दू में औ की मात्रा के स्थान पर वाओ एक विशेष हिन्ह (وْ) के साथ प्रयोग होता है। इसे अक्षर के आगे लगाते हैं :- ौ = وْ

کَوْ	نَوْ	لَوْ	سَوْ	جَوْ	پَوْ	اَوْ
कौ	नौ	लौ	सौ	जौ	पौ	औ

दौड़	دَوْڑ	और	اَوْر
कौन	کَوْن	बौर	بَوْر
ग़ौर	غَوْر	पौदा	پَوْدا
दौर	دَوْر	दौलत	دَوْلت
लौट	لَوْٹا	रौनक	رَوْنق
चौक	چَوْک	सौदा	سَوْدا
मौत	مَوْت	फौज	فَوْج
क़ौल	قَوْل	नौकर	نَوْکر
शौकत	شَوْکت	कौम	قَوْم
मौसम	مَوْسم	यौम	یَوْم
पकौड़ी	پکَوڑی	तौलिया	تَوْلیا

हम्ज़ा = ء

हिन्दी में (अ) की भांति यदि दो अलिफ़ (ا)एक साथ आयें तो दूसरे अलिफ़ के स्थान पर हम्ज़ा (ء) लगाते हैं। जैसेः

آ + او = آؤ आओ

آ + ای = آئی आई

آ + ای ے = آیئے आइए

مشق کیجئے

آؤ جاؤ لاؤ پاؤ بناؤ کھاؤ

آئی پائی لائی کھائی مائی ٹائی

آئے جائے لائے پائے کھائے چائے

آیئے جایئے لایئے کھایئے بنایئے گایئے

इसी प्रकार कभी कभी केवल एक अलिफ़ (ا)के स्थान पर भी हम्ज़ा का प्रयोग होता है। जैसेः

سؤ + ای = سوئی کو + ای = کوئی

سؤ + اے = سوئے ہؤ + اے = ہوئے

سُو + یی = سُوئیے ہُو + اے+ای = ہوئیے

جا + او + ں = جاؤں

جا + اے + ں = جائیں

کھا + او + ں = کھاؤں

کھا + اے + ں = کھائیں

جاؤں کھاؤں جائیں کھائیں سوئیں پیئیں

और कभी कभी हम्ज़ा "य" "इ" अथवा "ए" की अवाज़ देता है। जैसे:

عجائب	अजाइब	رائج	राइज
نائب	नायब	خائف	ख़ाइफ़
فائدہ	फ़ायदा	سائل	साइल
دائرہ	दायरा	مائل	माइल

• • • • • • • • • • •

चन्द्र बिंदू 'ँ' तथा बिन्दी '•' कें लिये

ں نٔ का प्रयोग तथा अभ्यास

उर्दू में चन्द्र बिन्दु तथा बिन्दु के स्थान पर ''नूनगुन्ना'' (ں) का प्रयोग होता है। नूनगुन्ना की आवाज़ नाक से निकलती है। नूनगुन्ना तथा नून में अंतर केवल इतना है कि नून के पेट में बिंदी होती है। (ن) जब कि नूनगुन्ना का पेट खाली होता है।

नूनगुन्न अक्षर के आगे लगाते हैं। नूनगुन्ना के दो रूप हैं।

(१) पूरा रूप (ں) जो शब्द के अंत में लिखते हैं। जैसे :-

यहाँ	یہاں	**खाँ**	خاں
वहाँ	وہاں	**माँ**	ماں
जहाँ	جہاں	**हाँ**	ہاں
कहाँ	کہاں	**हूँ**	ہوں

(२) आधा रूप, जो वास्तव में चिन्ह है = نٔ

यह शब्द के बीच में लिखा जाता है। नून के आधे रूप या चिन्ह में और नूनगुन्ना के आधे रूप या चिन्ह में अंतर केवल इतना है कि नूनुगुन्ना पर (ٮ) इस प्रकार का निशान लगा दिया जाता है। किन्तु यह पूरे नून की ध्वनि नही देता। जैसे :-

नून	نٔ	(नूनगुन्ना)	نٔ

होंठ	ہونٹ	गोंद	گوند
हांडी	ہانڈی	गेंद	گیند
सींग	سینگ	नीद	نیند
भैस	بھینس	चोंच	چونچ

नूनगुन्ना के "पूरे तथा आधे रूप" से बने शब्दों का अभ्यास

راتیں	باتیں	لیں	ہیں	میں
रातें	बातें	लें	है	मै
پڑھیں	چلوں	چلیں	لکھوں	لکھیں
पढ़ें	चलूँ	चलें	लिखूँ	लिखें
پانچ	آنکھ	دانت	سانپ	چاند
पाँच	आँख	दाँत	साँप	चाँद
مونگ	جانچ	سانس	ڈانٹ	آندھی
मूँग	जाँच	साँस	डाँट	आँधी
گونج	بوند	پھانک	باندھ	اینٹ
गूँज	बूँद	फाँक	बाँध	ईंट

अगर नूनगुन्ना के बाद 'बे' (ب) अक्षर का प्रयोग होता है तो नूनगुन्नाा की आवाज़ मीम (م) की निकलती है।

गुम्बद	گنبد	कुम्बा	کنبہ
अम्बर	عنبر	दुम्बा	دُنبہ

हिन्दी के स्वर वर्ण और मात्राओं का उर्दू विकल्प

हिन्दी वर्ण		उर्दू	हिन्दी मात्रा		उर्दू
अ	=	ا			
आ	=	آ	ा	=	ا
इ	=	اِ	ि	=	ـِـ
ई	=	اِی	ी	=	ی یا
उ	=	اُ	ु	=	ـُـ
ऊ	=	اُوْ	ू	=	وْ
ए	=	اے	े	=	ے یا
ऐ	=	اَئے	ै	=	ے یا
ओ	=	او	ो	=	و
औ	=	اَوْ	ौ	=	وْ
अं	=	ں	ं	=	ں
अः	=	ہ	ः	=	ـہ

दो अक्षरों (आधा तथा एक पूरा) का
विकल्प तशदीद تشدید

उर्दू में जब किसी अक्षर पर यह (ّ) चिन्ह हो तो वह अक्षर दो बार पढ़ा जाता है। इस चिन्ह को तशदीद कहते हैं।

नोट :- उर्दू में पूरे तथा आधे अक्षर की अवाज़ भी पूरी मानी गयी है केवल यह तशदीद(ّ) ही विकल्प बनती है जैसेः

چکّر	سچّا	رسّی	اوّل	گنّا	ردّی
चक्कर	**सच्चा**	**रस्सी**	**अव्वल**	**गन्ना**	**रद्दी**
جنّت	مٹّی	امّی	دلّی	بلّی	کتّا
जन्नत	**मिट्टी**	**अम्मी**	**दिल्ली**	**बिल्ली**	**कुत्ता**
پتّا	غُصّہ	حقّہ	حِصّہ	مُنّی	چکّی
पत्ता	**गुस्सा**	**हुक़्क़ा**	**हिस्सा**	**मुन्नी**	**चक्की**
امّاں	ابّا	اُلّو	لڈّو	بھدّا	اچّھا
अम्माँ	**अब्बा**	**उल्लू**	**लड्डू**	**भद्दा**	**अच्छा**
مُنّا	بلّا	خچّر	غبّارہ	بگّھی	مچّھر
मुन्ना	**बल्ला**	**ख़च्चर**	**गुब्बारा**	**बग्घी**	**मच्छर**

नोट :- जब किसी शब्द में ''ये'' (یا ی) पर तशदीद हो तो ''ये'' की पहली आवाज़ ''इ'' और दूसरी आवाज़ ''ये'' होगी। किन्तु हिन्दी में ''इ'' की जगह "ऐ" लिखा जाता है।

कुछ अन्य मात्राओं के लिये भी तशदीद का प्रयोग

हिन्दी में लिखा जाता है।	उच्चारण	शब्द
भैया	भइया	بھیّا
नैया	नइया	نیّا
तैयार	तइयार	تیّار
कन्हैया	कनहइया	کنھیّا
सैयद	सइयद	سیّد

❀❀❀

अध्ययन योग्य कुछ विशेष अभ्यास

و-व-ی य ھ ह ا-अ ل-ल आदि।

و — व का विशेष अध्ययन

(**अ**) उर्दू के कुछ शब्द ऐसे हैं जिनको वाओ (و) लिखा जाता है। किन्तु पढ़ा नहीं जाता है। यह''मूक वाओ' बहुधा ख़े (خ-या **ख़**) के बाद आता है। जैसे :-

خوراک	خواہش	خواب	خوشی	خود
खुराक	**ख़्वाहिश**	**ख़्वाब**	**खुशी**	**ख़ुद**
خورد	دسترخوان	خوش	خویش	خواجہ
खुर्द	**दस्तरख़ान**	**खुश**	**ख़ेश**	**ख़ाजा**

(**ब**) वाओ दो शब्दों को मिलाने के लिए भी प्रयोग होता है। ऐसे अवसर पर वाओ की आवाज़ ''ओ'' निकलती है। जैसे :-

دل وجان	شان وشوکت	علم ودولت
दिल-ओ-जान	शान-ओ-शौकत	इल्म-ओ-दौलत
दिलो-जान	**शानो-शौकत**	**इल्मो-दौलत**

ی- य का विशेष अध्ययन

उर्दू में कुछ शब्द ऐसे हैं जिसका अंतिम अक्षर ''ये'' अथवा ''बड़ी ये'' (ے یا ی)लिखा जाता है और इस पर अल्फ़ ا अक्षर भी लगा देते हैं।

इस प्रकार के अलिफ़ सहित ये तथा बड़ी ये केवल अलिफ़ (ا) की आवाज़ देते हैं। अर्थात् ये बड़ी ये (یے)मूक रहता जैसे है:-

مُصطفٰے	مُرتضٰی	موسٰی	عیسٰی	ادنٰی	اعلٰی
मुस्तफ़ा	**मुर्तज़ा**	**मूसा**	**ईसा**	**अदना**	**आला**

'' ये'' (ی) अक्षर तथा मात्रा दोनों रूप में प्रयोग होती हैं। दोनों के रूप समान हैं। जैसे :-

ی ید - **य** ی ید - **ा**

अक्षर के रूप में प्रयोग - مشق کیجئے:

گیان	گیارہ	کیوں	کیا	یکّہ
ज्ञान	**ग्यारह**	**क्यों**	**क्या**	**यक्का**

نیولا	پیاس	پیار	بیوپار	بیاہ
न्योला	**प्यास**	**प्यार**	**ब्योपार**	**ब्याह**

ہ— ह का विशेष अध्ययन

(१) ہ की चार शक्लें हैं। जैसे -

ھ ـہ ہا ہ

इनका प्रयोग इस प्रकार किया जाता है:-

تازہ کمرہ ہاکی شہر دانہ آنہ بھولا بھابھی

(२) हिन्दी के ''ह'' के स्थान पर इसकी निम्न शक्लें प्रयोग होती हैं :-

یہ	ماہ	آہ	شاہ	وہ
यह	माह	आह	शाह	वह
ہرن	ہے	وہی	تمہاری	ہم
हिरन	है	वही	तुम्हारी	हम

(३) बहुधा यह छोटी हे (ہ) शब्द के अंत में आती है तो ''ह'' की आवाज़ न देकर अ की मात्रा 'ा' की आवाज़ देती है।

आ — '' ा'' = ہ

ऐसे अवसर पर इसकी ये दो शक्लें प्रयोग में आती हैं। ـہ ہ

آنہ دانہ تازہ روزہ پارہ خطرہ

ख़तरा पारा रोज़ा ताज़ा दाना आना

کمرہ عُمدہ سرکہ توبہ میوہ بستہ

बस्ता मेवा तौबा सिरका उमदा कमरा

رِشتہ سُرمہ زندہ بندہ قِصّہ حصّہ

हिस्सा क़िस्सा बन्दा ज़िन्दा सुर्मा रिश्ता

حقّہ غصّہ جلسہ ہفتہ سینہ پردہ

पर्दा सीना हफ़ता जलसा गुस्सा हुक़्क़ा

روپیہ فائدہ پُختہ قبلہ خیمہ چوزہ

चूज़ा ख़ेमा क़िबला पुख़ता फ़ायदा रूपया

(४) ھ (दो चशमी हे) उर्दू के संयंक्त अक्षर (हिन्दी) के भारी आवाज़ वाले अक्षर बनाने के काम आती है।

دھاگا باڑھ کھانا رتھ بھارت لاکھ

लाख भारत रथ खाना बाढ़ धागा

• • • • • • • • • •

मूक रहने वाले अक्षर -ا ل و ی

उर्दू में कुछ ऐसे शब्द हैं जिनमें अलिफ़ और लाम एक साथ आता है। ऐसे अवसर पर अलिफ़ मूक रहता है अर्थात लिखा जाता है किन्तु पढ़ा नहीं जाता है वास्तव में ये शब्द अरबी भाषा से लिये गये हैं जैसे:-

بِالْکُل　　عَبْدُالْغَنی　　عَبْدُالْکَرِیْم　　عَبْدُالْغَفّار

बिल्कुल　　अब्दुल ग़नी　　अब्दुलकरीम　　अब्दुलग़फ़्फ़ार

कुछ ऐसे भी शब्द हैं जिनमें अलिफ़ और लाम एक साथ आते हैं और वे दोंनों मूक रहते हैं। जैसे :-

عَبْدُالسَّتّار　　عَبْدُالشّکُور　　عَبْدُالصّمد　　عَبْدُالرّحیم

अब्दुस्सत्तार　　अब्दुश्शकूर　　अब्दुस्समद　　अब्दुर्रहीम

कुछ शब्द ऐसे हैं जिनमें वाओ, अलिफ़ तथा लाम एक साथ आते हैं। इनका वाओ तथा अलिफ़ मूक रहता है। जैसे :-

ابُوالْکلام　　**अबुलकलाम**

कुछ शब्द ऐसे हैं। जिनका "ये तथा अलिफ़" मूक रहता है। जैसे:-

فِی الْفَوْر (فِلْ فور)　　**फ़िलफ़ौर (तुरंत)**

कभी - कभी अलिफ़ के ऊपर दो ज़बर (ً) लगे होते हैं। इन दो ज़बर की आवाज़ "नून" (न) की निकलती है तथा इनका अलिफ़ मूक रहता है। जैसे :-

آناً فاناً	رسماً	تقریباً	فوراً
आनन-फानन	**रस्मन**	**तक़रीबन**	**फ़ौरन**

ژ—झ का अध्ययन

ژ- झ अक्षर फ़ारसी का है। इसका उच्चारण अंग्रेज़ी के Treasure, pleasure आदि शब्दों के "su" की भाँति करना चाहिय। जैसे :-

مژگاں	مُژدہ	اژدہا
मिझगाँ	मुझदा	अझदहा

पूरे व आधे अक्षर का पुन: अभ्यास

ب پ ت ٹ ک گ ن ی ے

ऊपर लिखे गये अक्षरों के "आधे रूप" या चिन्ह या सिरे अपनी बिन्दियों सहित प्रयोग होते हैं। चूँकि इन अक्षरों के चिन्ह की शक्लें समान है, इसलिए केवल बिन्दियों ही से इन्हें

पहचाना जा सकता है:-

لَٹک کُپٹ گِیت سیب سَبَب

लटक कपट गीत सेब सबब

مَتھرا مَٹکا کِتاب کپڑے میں

मथूरा मटका किताब कपड़े में

ہیں بیٹھو سُتھرا کبھی مندر

है बैठो सुथरा कभी मन्दिर

مچھیرا کشتی قسم سخت بچو بجلی

मछेरा कश्ती क़सम सख़्त बचो बिजली

بستہ مچھلی سمجھ چمک آسمان

बस्ता मछली समझ चमक आसमान

شُکر تکلیف کپڑا بکری مکان

शुक्र तकलीफ़ कपड़ा बकरी मकान

قلم جھگڑا اسکول مشکل فکر

क़लम झगड़ा स्कूल मुश्किल फ़िक्र

• • • • • • • • • • • •

अरबी और फ़ारसी अक्षरों से बनने वाले शब्दों का अभ्यास

अरबी और फ़ारसी के निम्न अक्षरों से केवल अरबी और फ़ारसी के ऐसे शब्द बनते हैं जिन्हें उर्दू में लिया गया है। हर एक शब्द के नीचे उसका अर्थ दिया जा रहा है।

ث ح ذ ز

ص ض ط ظ ع غ ف ق

ظرف	طلب	ضرر	صبر	ذرا	حمد
ज़र्फ़	तलब	ज़रर	सब्र	ज़रा	हम्द
बर्तन	**माँग**	**हानि**	**सन्तोष**	**थोड़ा**	**प्रशंसा**

ضدّ	صندوق	ذِکر	حصّہ	ثمر	عقل
ज़िद	सन्दूक़	ज़िक्र	हिस्सा	समर	अक़्ल
आग्रह	**बाक्स**	**वर्णन**	**भाग, अंश**	**फल**	**बुद्धि**

ضرورت	صُراحی	ثبُوت	عِلم
ज़रूरत	सुराही	सबूत	इल्म
आवश्यकता	**लम्बी गर्दन वाल बर्तन**	**प्रमाण**	**विद्या**

ناظِم	طِلا	عُنّاب	ظُلم	طُول
नाज़िम	तिला	उन्नाब	ज़ुल्म	तूल
प्रबंधक	**सोना**	**एक औषधि**	**अत्याचार**	**लम्बाई**

अरबी और फ़ारसी शब्दों की जो वतनीं (हिज्जे) अरबी और फ़ारसी भाषा में लिखी जाती है, वहीं उर्दू भाषा में भी प्रयोग होती है। अतः इन रोज़ाना काम आने वाले शब्दों को याद कर लिजिए।

ذ ض ظ यह तीनों अक्षर अबरी के हैं। इनकी आवाज़ें एक सी नहीं है इनके उच्चारण में बहुत अन्तर है। किन्तु हम इन अक्षरों को आवाज़ों में अन्तर न करते हुए सब का उच्चारण एक सा करते है। और इन सब अक्षरों से बने हुये शब्द ''ज'' से लिखते हैं केवल एक बिन्दू(ज़) लगाकर उसे भिन्न करते हैं। इन अक्षरों से बने हुए कुछ शब्द याद कर लीजिये। ये शब्द उर्दू में बार-बार प्रयोग होते हैं।

عُذْر	مَذْہب	نذْر	ذرّہ	لَذّت	عَذاب
उज़्र	मज़हब	नज़्र	ज़र्रा	लज़्ज़त	अज़ाब

مَذاق	فضا	فیض	مضبوط	قبض
मज़ाक़	फ़ेज़ा	फ़ैज़	मज़बूत	क़ब्ज़
قضا	ضبط	بیضہ	ظالم	مظلوم
क़ज़ा	ज़ब्त	बैज़ा	ज़ालिम	मज़लूम
مُظاہرہ	نظم	نظام	ظاہر	اعلیٰ
मुज़ाहिरा	नज़्म	निज़ाम	ज़ाहिर	आला

ث के शब्द प्रयोग

اَثَر ثابِت کثرت نِثار نثر مِثل مِثال

मिसाल मिस्ल नस्र निसार कसरत साबित असर

ص के शब्द प्रयोग

صَبْر تصوِیر مُصَوِّر صورت صَفائی حاصِل صَدر

सदर हासिल सफ़ाई सूरत मुसव्विर तस्वीर सब्र

नोट :- आरबी और फ़ारसी शब्दों के अतिरिक्त यदि किसी और भाषा के शब्द में 'स' की आवाज़ हो तो उसे س से लिखतें हैं जैसे:-

سَنسار سُنار سَوارجیہ سُورج

संसार सुनार स्वराज्य सूरज

اِسکول سِگریٹ فِرانس

स्कूल सिगरेट फ्रांस

ط के शब्द का प्रयोग

طالب مَطلوب مَطلَب غلَط خط طوق قطعہ

तालिब मत्लूब मतलब ग़लत ख़त तौक़ क़िता

ح के शब्द

حَل صاحب حالت حلَوہ

हल साहब हालत हलवा

حکایت حمایت صحرا

हिकायत हिमायत सेहरा

ع के शब्द

عالم فعل تعلیم معقول نفع عمل دعوت

आलिम फ़ेल तालीम माक़ूल नफ़ा अमल दावत

غ ف ق के शब्द

مُغل मुग़ल سَفر सफ़र شَفَق शफ़क़

چغلی चुग़ली فقیر फ़क़ीर بالغ बालिग

اُفق उफ़क़ نقاب नक़ाब مَغرِب मग़रिब

विराम चिन्ह

	हिन्दी में	उर्दू में
पूर्ण विराम	।	ـ
अल्प विराम	,	،
प्रश्न सूचक	?	؟
विस्मयादिबोधक	!	!
उद्धरण (इनवर्टिडकामा)	‘‘ ’’	“ ”
योजक	-	–
विवरण	:-	:
निर्देश	—	–
कोष्ठक	( )	( )
तख़ल्लुस को बताने वाला चिन्ह		~

विशेष स्मरण योग्य

पाठकगण ! आपने देखा होगा कि उर्दू लिखाई एक प्रकार की संकेत लिपि है। इसमें दूसरी भाषाओं के समान पूरे अक्षर या मात्राओं को नहीं लिखा जाता बल्कि पूरे अक्षरों के सिरे, बिन्दियाँ (नुक़्ते) और जोड़ प्रयोग होते हैं। यही कारण है कि उर्दू लिखनें में कम जगह लेती है। इसके अतिरिक्त हमने आपको यही समझाने के लिए अक्षरों पर उर्दू की मात्राएं ज़ेर, जबर, पेश और तश्दीद लगादी है। जब आप पुस्तकें अर्थात दैनिक पत्र पढ़ेंगे तो उन में यह मात्राएं नहीं होंगी। आप को उस ज्ञान के अनुसार जो इस कोर्स के पढ़ने से हुआ है तमाम शब्दों को बिना मात्राओं के शुद्ध पढ़ना है और हमें आशा है कि आप अवश्य वह तमाम शब्द पढ़ लेंगे।

ساری دنیا کے مالک

اے ساری دنیا کے مالک — راجا اور پرجا کے مالک

سب سے انوکھے سب سے نرالے — آنکھ سے اوجھل دل کے اُجالے

ناؤ جگت کی کھینے والے — دکھ میں سہارا دینے والے

جوت سے تری جل اور تھل میں — باس ہے تری پھول اور پھل میں

ہر دل میں ہے تیرا بسیرا — تو پاس اور گھر دور ہے تیرا

تو ہے اکیلوں کا رکھوالا — تو ہے اندھیرے گھر کا اُجالا

بے آسوں کی آس تو ہی ہے — جاگتے سوتے پاس تو ہی ہے

سوچ میں دل بہلانے والے — بپتا میں کام آنے والے

ہلتے ہیں پتے ترے ہلائے — کھلتی ہیں کلیاں ترے کھلائے

تو ہی ڈبوئے تو ہی ترائے

تو ہی بیڑا پار لگائے

خواجہ الطاف حسین حاؔلی

اچھی باتیں

۱۔ اللہ تعالیٰ نے ہمیں ہر قسم کی نعمتیں عطا فرمائی ہیں ہر حالت میں روزانہ اس کا شکریہ ادا کرنا چاہیے۔

۲۔ ماں باپ کی فرماں برداری کرنی چاہیے جس بات کا وہ حکم دیں اسے ضرور کرنا چاہیے اور جس بات کو وہ منع کریں اُس سے پرہیز کرنا چاہیے۔ یاد رکھئے ماں باپ سے بڑھ کر دنیا میں دوسرا کوئی شخص بھی ہمدرد اور دوست نہیں ہو سکتا۔

۳۔ بزرگوں اور بڑوں کا ادب کرنا چاہیے۔ کسی نے سچ کہا ہے۔

با ادب بانصیب　　　بے ادب بے نصیب

۴۔ پڑوسیوں کے ساتھ ہمیشہ اچھا سلوک کرنا چاہیے۔ اپنی زبان یا اپنے ہاتھ سے کوئی ایسی بات مت کرو جس سے انہیں تکلیف ہو۔

۵۔ جس کو تم غریب اور برے حال میں دیکھو اُس کی مدد کرو بھوکا ہو کھانا کھلا دو، ننگا ہو تو اسے اپنے استعمال کا کوئی کپڑا دیدو۔ اللہ تعالیٰ سب سے زیادہ اُس آدمی سے خوش ہوتا ہے جو اس کے غریب بندوں کی خدمت کرتا ہے۔

۶۔ ناجائز کمائی سے پرہیز کرو ایسی کمائی انسان کو بے حیا اور بے شرم بنا دیتی ہے۔

۷۔ کسی کو گالی مت دو۔ گالیاں دینے سے ہی بہت بڑا فساد پیدا ہوتا ہے۔

۸۔ ہمیشہ اپنے ملک کے وفادار رہو۔

دوست کے لیے ایک خط

از دہلی ۲۵/مارچ ۲۰۰۴ء

میرے عزیز دوست ہری شنکر تسلیم

آپ کا خط مجھے ملا۔ آج کل میں اردو گائڈ کے ذریعہ اردو پڑھ رہا ہوں۔ یہ کورس آسان ہے اس کورس میں اُردو کی تمام مشکل باتوں کو ہندی میں سمجھا کر اُردو آسان بنا دیا گیا ہے۔ میں ہندی کے ذریعہ اپنا سبق خود پڑھ لیتا ہوں۔

اس کورس میں اردو دیکھنے کا بھی ایک آسان طریقہ بتایا گیا ہے اگر چہ میں نے ابھی پورا کورس ختم نہیں کیا لیکن چھوٹی موٹی باتیں بڑی آسانی کے ساتھ پڑھ لیتا ہوں۔ شہر میں دکانوں پر لٹکے ہوئے سائن بورڈ بھی پڑھ لیتا ہوں مجھے خوشی ہے میں صرف معمولی خرچہ میں اردو سے واقف ہو گیا آپ بھی تو اردو پڑھنا چاہتے تھے آپ بھی یہی کورس منگوا لیجئے۔

آپ کا دوست

راجکمار۔ بے اے/ ایل ایل بی

قرول باغ، نئی دہلی۔

مسلمانوں کے کچھ نام

ان ناموں میں ال آواز دے گا	ان ناموں میں ال آواز نہیں دے گا	محمد سلیمان	محمد عثمان
		محمد موسی	محمد علی
عبدالاحد	عبدالتواب	محمد ہارون	محمد مسکین
عبدالباقی	عبدالرحمٰن	محمد ابراہیم	محمد جعفر
عبدالحی	عبدالرشید	محمد اسماعیل	محمد صادق
عبدالخالق	عبدالدائم	محمد اسحاق	ذاکر حسین
عبدالعلیم	عبدالستار	محمد یعقوب	منظور احمد
عبدالغنی	عبدالصمد	محمد یوسف	خالد حسین
عبدالغفار	عبدالسلام	محمد زکریا	محمد عارف
عبدالقادر	عبدالرزاق	محمد صالح	محمد آصف
عبدالقیوم	عبدالسمیع	محمد شعیب	محمد طارق
عبدالقدوس	محی الدین	محمد عیسی	محمد اقبال
عزیزالحسن	معین الدین	محمد موسی	فیض محمد
زین العابدین	عبدالرحیم	محمد زبیر	اختر علی
شمس الحق	رفیع الدین	محمد صدیق	شبیر حسین
غلام الحسنین	نظام الدین	محمد فاروق	اشفاق حسین
شمس العارفین	شمس الدین	محمد عمر	زاہد علی
ضیاءالحسن	کفایت اللہ	رحمت الٰہی	غلام مصطفٰے

ہندوؤں کے کچھ نام

برہمدت	برہم پرکاش	شوشنکر	وشنوداس
مہادیو پرشاد	رام داس	کرسن چندر	کشن لال
مراری لال	بنواری لال	رگھبیر پرشاد	پرشوتم داس
ہنومان پرشاد	لچھمن پرشاد	کالی داس	کالی چرن
ایشورداس	کرشن پرشاد	رادے شیام	سیتارام
مہیشوری پرشاد	اماشنکر	لکشمی نارائن	کنیشی لال
رام اوتار	ارجن لال	بھیم سنگھ	بلبیر سنگھ
جسونت سنگھ	بدھ رام	ہرنام داس	جواہرلال
موہن داس	بلونت سنگھ	جے رام	ایشوری پرشاد

दिनों के नाम دنوں کے نام

سنیچر	(शनिवार)	सनीचर
اتوار	(रविवार)	इतवार
پیر	(सोमवार)	पीर
منگل	(मंगलवार)	मंगल
بُدھ	(बुधवार)	बुध
جُمعرات	(वृहस्पतिवार)	जूमेरात
جُمعہ	(शुक्रवार)	जुमा

अंग्रेज़ी महीनों के नाम انگریزی مہینوں کے نام

जनवरी	جنوری	जुलाई	جولائی
फ़रवरी	فروری	अगस्त	اگست
मार्च	مارچ	सितम्बर	ستمبر
अप्रैल	اپریل	अक्तूबर	اکتوبر
मई	مئی	नवम्बर	نومبر
जून	جون	दिसम्बर	دسمبر

हिन्दी महीनों के नाम ہندی مہینوں کے نام

चैत	چیت	क्वार	کوار
बैसाख	بیساکھ	कार्तिक	کارتک
ज्येष्ठ	جیٹھ	अगहन	اگہن
आषाढ़	آساڑھ	पोह	پوہ
सावन	ساون	माघ	ماگھ
भादों	بھادوں	फागुन	پھاگن

अरबी महीनों के नाम عربی مہینوں کے نام

मुहर्रम	محرم	रजब	رجب
सफ़र	صفر	श:बान	شعبان
रबीउल अव्वल	ربیع الاول	रमज़ान	رمضان
रबीउस सानी	ربیع الثانی	शव्वाल	شوال
जमादुल अव्वल	جمادی الاوّل	ज़ीक़ादा	ذیقعدہ
जमादुस सानी	جمادی الثانی	ज़िलहिज्जह	ذی الحجہ

इमला लिखना सीखें املا لکھنا سیکھیں

مشق کیجیے:

अदालत	عدالت	फ़ैसला	فیصلہ
क़ानून	قانون	वकील	وکیل
जूर्म	جُرم	नालिश	نالش
दावा	دعویٰ	गवाह	گواہ

اقبال	इक़बाल	مدّعی	मुद्दई
سمن	समन	تمسّک	तमस्सुक
بیدخلی	बेदख़ली	عرضی	अर्ज़ी
راضی نامہ	राज़ीनामा	نوٹس	नोटिस
قبضہ	क़ब्ज़ा	مِثل	मिसल
اقرارنامہ	इक़रार नामा	قید	क़ैद
بحث	बहस	پیشکار	पेशकार
بیان	बयान	جعلسازی	जाल साज़ी
ضمانت	ज़मानत	جرح	जिरह
ہتھکڑی	हथकड़ी	مجرم	मुजरिम
رہائی	रिहाई	پٹہ	पट्टा
جُرم	जुर्म	فوجداری	फ़ौजदारी
کلیجہ	कलेजा	پھیپھڑا	फेफड़ा
ناخن	नाख़ून	بغل	बग़ल
ٹخنہ	टख़ना	بازو	बाज़ू

مرغابی	मुर्ग़ाबी	چراغ	चराग़ (दीपक)
غٹرغوں کرنا	गंटरगूं करना	بخار	बुख़ार

ہندستان کے مشہور شہر

آگرہ	आगरा	اجمیر	अजमेर
بارہ بنکی	बराबंकी	ارناکلم	अरनाकुलम
بھدراچلم	भद्राचलम	بمبئی	बम्बई
پٹنہ	पटना	پونہ	पूना
ترن تارن	तरनतारन	پرتاپ گڑھ	प्रतापगढ़
تری پورہ	त्रिपुरा	تاتار پور	तातारपुर
ٹہری	टिहरी	ٹاٹانگر	टाटानगर
جمشید پور	जमशेदपुर	ٹنک پور	टनकपुर
جمّوں	जम्मू	جام نگر	जामनगर
چھتیس گڑھ	छत्तीसगढ़	چیراپونجی	चेरापूँजी
حصار	हिसार	چنڈی گڑھ	चंडीगढ़
خضرآباد	ख़िज़राबाद	حیدرآباد	हैदराबाद

खानपुर	خانپور	ख़ानयार	خانیار
देहरादून	دہرہ دون	दार्जिलिंग	دارجلنگ
दरभंगा	دربھنگہ	डिबरूगढ़	ڈبروگڑھ
डोडा	ڈوڈا	डाल्टनगंज	ڈالٹن گنج
रामपुर	رام پور	रांची	رانچی
राजकोट	راجکوٹ	ज़मर्रूदपुर	زمردپور
सीवान	سیوان	सीकर	سیکر
सहारनपुर	سہارنپور	शाहजहानपुर	شاہ جہانپور
शिमला	شملہ	शोलापुर	شولاپور
साहिबाबाद	صاحب آباد	आदिलाबाद	عادلِ آباد
ग़ाज़ियाबाद	غازی آباد	ग़दरपुर	غدرپور
फ़रीदाबाद	فرید آباد	फ़ाज़िल्का	فاضلکہ
फ़र्रूख़ाबाद	فرخ آباد	क़ायमगंज	قائم گنج
क़ाजीगुंड	قاضی گنڈ	किशन गंज	کشن گنج
कानपुर	کانپور	कालीकट	کالی کٹ

گونڈہ	गोंडा	گیا	गया
لکشدیپ	लक्षद्वीप	گلبرگہ	गुलबर्गा
لدھیانہ	लुधियाना	لکھنؤ	लखनऊ
ملاپورم	मल्लापुरम	محبوب نگر	महबूब नगर
ناگپور	नागपुर	مظفر پور	मुज़फ़्फ़रपुर
وارنگل	वारंगल	نظام آباد	निज़ामाबाद
ہاتھرس	हाथरस	وارانسی	वाराणसी
ہلدوانی	हल्द्वानी	ہاوڑہ	हावड़ा

کچھ دیگر چیزیں

کفگیر	कफ़गीर(पलटा)	چاقو	चाकू
قلی	कूली	گراموفون	ग्रामोफ़ोन
رنگریز	रंगरेज	قمیض	क़मीज़
گھڑی ساز	घड़ी साज़	لحاف	लिहाफ़
قلم	क़लम	فلالین	फ़लालैन

فولاد	फौलाद	شریفہ	शरीफ़ा
تربوز	तरबूज़	خچر	ख़च्चर
مخمل	मख़मल	اخروٹ	अख़रोट
فالسے	फ़ालसे	فاختہ	फ़ाख़ता
کیلا	केला	باز	बाज़

یہ بھی لکھنا سیکھیں

خربوزہ	ख़रबूज़ा	محمد مصطفیٰ	मुहम्मद मुस्तफ़ा
بطخ	बत्तख़	عبدالستار	अब्दुस-सत्तार
مرغا	मुर्ग़ा	شفیق الرحمٰن	शफ़ीकुर्रहमान
عبدالغفار	अब्दुलग़फ़्फ़ार	مشتاق احمد	मुश्ताक़ अहमद
بدرالدین	बदरूद्दीन	ذاکرحسین	ज़ाकिर हुसैन
چاقو	चाकू	بندوق	बन्दूक़
فرش	फर्श	چٹخنی	चटख़नी
کمرہ	कमरा	قینچی	कैंची
دروازہ	दरवाज़ा	سونف	सौंफ़

زیرا	ज़ीरा	پیچش	पेचिश
شلغم	शलग़म	دمہ	दमा
پیاز	प्याज़	سیاہی	स्याही
زکام	जुकाम	نب	निब
ادھیاپک	उध्यापक	کفایت اللہ	किफ़यतुल्लाह
محمد فاروق	मुहम्मद फारूक़	معلم	मुअल्लिम
حسن آرا	हुसन् आरा	انوری بیگم	अनवरी बेगम
رضیہ	रज़िया	بلقیس	बिलक़ीस
شمیمہ	शमीम	کنیز فاطمہ	कनीज़फ़ात्मा
یاسمین	यासमीन	نسیمہ	नसीमा
عزیزہ	अजीजा	فردوس	फ़िरदौस

उर्दू गिनती सीखें   اردو گنتی سیکھیں

हिन्दी अंक	शब्दों में		उर्दू अंक
१	एक	ایک	۱
२	दो	دو	۲
३	तीन	تین	۳
४	चार	چار	۴
५	पाँच	پانچ	۵
६	छ	چھ	۶
७	सात	سات	۷
८	आठ	آٹھ	۸
९	नौ	نو	۹
१०	दस	دس	۱۰

नोट : इकाई, दहाई सैकड़ा हज़ार आदि के नियम उर्दू में भी हिन्दी जैसे होते हैं।

آسان الفاظ اور جملے

सरल शब्द तथा वाक्य

उर्दु में साधारणतया मात्रायें नहीं लिखी जाती, बल्कि उनको समझना पड़ता है।

यहाँ पर अभ्यास के लिए मात्राएँ लिखी जा रही है। जिनको बाद् में नही दिया जाएगा।

اَبْ چَلْ ، مَتْ لَڑْ ، بَسْ کَرْ ، مَتْ ڈَرْ سَچْ
کَہہ ، غَمْ مَتْ کَرْ ، کَلْ تَکْ رَہْ ، شَکْ مَتْ کَرْ ۔ نَلْ پَرْ
چَلْ ، بَچْ کَرْ چَلْ ، بَکْ بَکْ مَتْ کَرْ ، نِبْ گِنْ ۔
مَتْ ہِلْ ، مَتْ کَرْ ، دَسْ تَکْ گِنْ ، چُپْ رَہْ ، مَتْ
سُنْ ، غُلْ مَتْ کَرْ ، رَبْ رَبْ رَٹْ ۔

دَادَا آنَا ، بَاجَالَانَا ، جَاڑَا آیَا ، چَاقُو پَایَا ،
آلُو کاٹو ، چوڑِی ٹوٹی ، مُرغِی پَالی ، لَڑکی جَا گی ، ہَم
سے بولو ، کرتَا سِی دو ، کوڑا بَاہَر ڈَالو ، دَادِی کو سَالن

دو، کامل کو روٹی دو، آپا سے بَرفی لو، خالو سے موزے لو، لوٹا کِس نے توڑا؟، یُونُس نے توڑا ہوگا، کامل آؤ، پُل پر جاؤ، کُرسی لاؤ، کُرتا لائی، چابی پائی، نانا آئے جوتا لائے، گانا مت گاؤ، کامل دَوڑا، لڑکی دَوڑی، لَو کی کاٹو، جال ڈال، یاد کر لو، آم لے لو، پان دیدو، آم لال ہے، شاکر دال لایا ہے، آپ کب آئے۔

کل رات آئے، باپ کی بات مانو، مور آیا، کون آیا ہے، چور ہوگا، فوج آئی ہے، سوت کاتو، اِسے سُوچ کر بولو، ہر روز آؤ، دَوا لے آؤ، چور کو سزا سڑا ساگ مت لو، کامل کو جگاؤ، آپا کو بُلاؤ، نانی نے آگ جلائی، دادی نے روٹی پکائی، یونس نے کہانی سُنائی، چڑیا اُڑی، دَوا بنی، چوٹ لگی، چابی مل گئی،

کُرتا سیو، گاڑی آ گئی، دَادَا چلے گئے، آپا کی بات سنو، کسی سے مَت ڈَرو، بُرے کام سے بچو بَڑے کا اَدَبْ کرو، بَادَل گرج رَہا ہے، پانی بَرَس رَہَا ہے، سَڑک پَر مت جَاؤ۔

اَچکن کا کپڑا کالا ہے۔ اَسلم سوئے گا۔ سستی مت کرو۔ اَختر سے کُشتی لڑو۔ اُس کی تَختی دِیدو۔ آپا نے چڑیا پکڑی۔ مُنشی جی کمبل لائے۔ نانا نے کشمِش دی، آپَا نے اِملی دی۔ کامل نے شیشَم کاٹا۔ پیتل کا لوٹا لاؤ۔ پیلا دَھاگا دو۔ چَارپائی پر لیٹو۔ میرے جوتے دو۔ کیلا کیسا ہے؟ ایک سیب دو۔ تین بیر لو۔ بَیل بیچ ڈالو۔ نانا پیر کے دِن آئے۔ دَوا پیس لو۔ چیل اُڑ گئی۔ چَاقُو تیز ہے۔ قلَم میز پَر ہے۔ اَکبَر و کا پیر بڑا ہے۔ اَختَر نیک

لَڑ کا ہے۔ دَادَا اسیر کَرُ نے گئے۔ خالُو نے موزہ دیا۔ آم

زَرد ہے۔ روٹی گرم ہے۔ بستر نَرم ہے۔ فکُر مت کرو۔

رَبّ کا شُکر اَدَا کرو۔ خرچ کَم کرو۔ حاجی صَاحب

آ گئے۔ آپَا جَان کا خَط آیا۔ حَافظ صَاحبُ کی دعوت ہے۔

پنڈت جِی چلے گئے ۔ اَصغر مَسجِد گیا ہے۔ خَالد حَاضِر

ہے، حَقُ بَاتُ کہو۔ خِدمتُ کرو، خالو دِلّی گئے ، چوری

کرنا بری عادت ہے، سورَجُ نظر آ رَہا ہے، صُبح کے وَقتُ

وَرُزِش کَرو، عَقل سے کام لو، نَقل مَت کرو، کپڑے

بَدَل کرآوَ، عِطُر لگالو، کِسی سے قَرض مُت لو، ذَرَا بَات

سنو، غریب کی مدد کرو، فَقیروں کو روٹی دے دو، سَعِید کی

قمیض لاوَ، پاک صَاف رَہو، حِسابُ کی کتابُ لاوَ، اَبُ

کیسا حال ہے، حَکیم صاحب کی دَوا کرو، کل عید ہے، اکبر

گھر گیا، ذَرا تھَم جاؤ، چھت پر کون ہے، پانی بھر دو،
اِنعام تھک گیا، تالاَ کھل گیا، سالن چکھ لو، کرتا رَکھ دو،
سُورَج چھپ گیا، آگ بُجھ گئی، کیل چُبھ گئی، دَرِی بِچھ
گئی، گھوڑا بھَاگا، کاغذ پھَاڑا، آم کھایا، جھولا ڈالو، جھاڑو
دیدو، لڑکا بھوکا ہے، پَان سُوکھا ہے، چُولھا بڑَا ہے، عارفہ
آئی تھی، سیدھے جاؤ، کپڑے سوکھے ہیں، کُرتا بھیگا
ہے، جوتا ڈھیلا ہے، روٹی سوکھی ہے، جھوٹ مت بولو،
دری جھاڑلو، دھول مت اُڑاؤ، ہاتھ دھوکر کھانا
کھاؤ، میرے ساتھ چلے آؤ، مُجھے بھُوک لگی ہے، اِس
وقت دھوپ ہے، دَری سوکھ رہی ہے، آم چھیل کَر کھاؤ،
ٹھیک بَات کہو، لکھنا سیکھ لو، اب بیٹھ جَاؤ، کھیل کے
وقت کھیلو، کام کے وقت کام کرو، کمرہ بند کرو، تازہ پانی

پی لو، خالد نے میرا موزہ بُنا، آج آپا کا روزہ ہے، بستہ
کھولو، گھنٹہ بج گیا، سچّا لڑکا اچھا ہوتا ہے، کچّا آم کھٹّا
ہوتا ہے، ابّا آ گئے، مٹّی سے مت کھیلو، غُصّہ مت کرو،
ماں باپ کی خدمت کرو، نانا نہیں آئے، کہیں ہوں
گے، ماموں کل آئیں گے۔ امّاں چلی گئیں، آپ کہاں
جاتے ہیں، وہاں مت جائیے، شکر کیا ہوئی؟ آپ نے
شربت میں ڈالی تھی، جلیل صاحب کیوں نہیں آئے؟
اُنھیں کچھ کام تھا، میں نے کل رات ایک خواب
دیکھا تھا، اپنا کام خود کرو، ماں باپ کو خوش رکھو، خوب
محنت سے پڑھو، کھیلنے سے پڑھنا بہتر ہے، غُرور مت
کرو، بڑوں کے کام سے انکار مت کرو، ہر حالت میں
خدا کا شکر ادا کرو، اور اُس کو یاد رکھو۔

چاقُو لاؤ اور مولی کاٹو، میرا شیشہ ٹوٹ گیا ہے، بازار سے آلو لے آؤ، یہ لڑکا خوب پَڑھتا ہے، پان پر زیادہ چونا مت لگاؤ، فرش پر مت تھوکو، دارا جھوٹ بول رَہا ہے، اُس سادھو کو کچھ آٹا دیدو، لڑکی جھولا جھول رہی ہے، گانا گا کر پھول رہی ہے۔

یہ میرے ابّا کا کتّا ہے، بڑا اچھا ہے، ایک آواز پر ابا کے پاس آجاتا ہے، سلیم اپنے کلاس میں اوّل آیا ہے۔ اس بچے کو بگھی میں بٹھادو، مُنّی کو پتّھر سے ٹھوکر لگی، خچر پر ردّی لاد کر لے جاؤ۔

مُنّے تم مدرسہ جانے کے لیے تیار ہو جاؤ بہت اچھا ابھی تیار ہوا جاتا ہوں۔ مُنّی کے ابا نے منی کو ایک اَٹھنّی دی، وہ اپنی اماں کے لیے بازار سے مٹھائی خرید

کرلائی۔

آج نسیم مدرسہ نہیں جائے گا۔ اُس کے دانت میں درد ہے۔ اسکول میں ہمارے ماسٹر نے وحید کو خوب سزا دی، اُس کو آنکھوں میں آنسو آ گئے، اپنے منہ سے کوئی بری بات نہ نکالو۔

یہ بھینس موہن کی ہے۔ دس کلو دودھ دیتی ہے۔ میں آج آگرہ جاؤں، نانا جی ساتھ جائیں گے۔ چلو باغ چلیں۔ وہاں آم کھائیں گے۔ تالاب میں نہائیں گے۔ کنویں کا ٹھنڈا پانی پئیں گے اور تھوڑی دیر وہاں آرام کریں گے۔

••••••••••••••••••

اردو بول چال

उर्दू बोल चाल

१.आप का क्या नाम है?　　ا۔آپ کا اسم شریف؟

۲۔جناب عالی میرا نام موہن سنگھ ہے۔

२.जनाबे आली मेरा नाम मोहन सिहं है।

۳۔آپ کہاں سے تشریف لائے ہیں؟

३. आप कहाँ से पधारे है?

۴۔میں پانی پت سے حاضر ہوا ہوں۔

४. मै पानीपत से आया हूँ।

५. पधारिये, बैठिये !　　۵۔تشریف رکھیں!

۶۔آپ کو کس سے ملاقات کرنا ہے؟

६. आप किस से मिलना चाहते है?

۷۔میں حاجی عبدالحفیظ صاحب سے ملاقات کا شرف حاصل کرنا چاہتا ہوں، کیا آپ ان کے صاحبزادے ہیں؟

७.मैं हाजी अब्दुल हफीज़ साहब से भेंट करना चाहता हूँ। क्या आप उनके सुपुत्र हैं?

۸۔جی ہاں، میں ابھی خبر کرتا ہوں۔

८. जी हाँ, मैं अभी सूचित करता हूँ।

۹۔خوش آمدید موہن بھائی، کیسے مزاج ہیں آپ کے، اہل خاندان سب بخیر و عافیت تو ہیں؟

९. स्वागत मोहन जी आप कैसे हैं, परिवार में सब कुशल मंगल तो हैं?

۱۰۔ہاں واہے گرو کی کرپا ہے آپ کے اہل خانہ تو بخیر ہیں نا؟

१०.हाँ गुरू की कृपा है, आप के परिवार में तो सब अच्छे हैं ना?

۱۱۔ہاں اللہ کا شکر ہے، آپ کیا پسند فرمائیں گے؟

११.हाँ! अल्लाह का शुक्र है। आप क्या लेना

पसन्द करेंगे?

۱۲۔ کچھ نہیں، شکریہ، بس ایک گلاس پانی عنایت کیجئے۔

१२.कुछ नहीं, धन्यवाद, बस एक गिलास पानी लूंगा।

۱۳۔ اچھا حفیظ بھائی اب میں اجازت چاہوں گا۔

१३. अच्छ हफीज़ भाई अब मैं इजाज़त चाहूंगा।

۱۴۔ کیا دلی سے آج ہی رخصت ہو رہے ہیں۔ ایک روز ہمیں بھی اپنی مہمان نوازی کا شرف بخشئے نا؟

१४. क्या दिल्ली से आज ही रुख़सत हो रहे है, हमें भी एक दिन के लिये अपने सत्कार का अवसर प्रदान करते।

۱۵۔ جی ہاں! آج ہی کچھ دیر بعد روانگی ہے۔ پھر کبھی حیات باقی تو ملاقات ہوتی ہی رہے گی۔

१५.जी हाँ! कुछ देर बाद प्रस्थान होगा, फिर कभी सही, जिन्दगी है तो मुलाक़ात होती ही रहेगी।

۱۶۔ تو پھر گھر میں سبھی بڑوں کو ہمارا اسلام و آداب اور چھوٹوں کو دعائیں ضرور کہیۓ گا۔

१६. तो फिर परिवार में सभी बड़ों को हमारा आभीवादन तथा छोटों को शुभ कामनायें।

१७. अच्छा, आदाब !

۱۷۔ اچھا، آداب!

۱۸۔ خدا حافظ موہن بھائی، فی امان اللہ، آپ کی آمد سے از حد خوشی ہوئی۔

१८. मोहन भाई, ईश्वर आपकी रक्षा करे आप सुरक्षित घर पहुंचें, आप के आगमन से हमें बहुत प्रसन्नता हुई।

۱۹۔ الوداع!

१९. प्रस्थान

संक्षिप्त उर्दू शब्दकोष

لفظ اور اس کے معنی

अर्थ	उच्चारण	शब्द
पिता	वालिद	والد
माता	वालिदा	والدہ
भाई	ब्रादर	برادر
बहन	हमशीरा	ہمشیرہ
बेटी	दुख़तर	دختر
बेटा	फ़रजंद	فرزند
ससुर	खुसर	خسر
बीबी	बेगम	بیگم
मामा	मामूँ	ماموں
मामी	मुमानी	ممانی
मौसी	ख़ाला	خالہ
पति	शौहर	شوہر
पूर्व	मशरिक़	مشرق

पश्चिम	मग़रिब	مغرب
उत्तर	शुमाल	شمال
दक्षिण	जुनूब	جنوب
नमस्कार या नमस्ते	आदाब या तस्लीम	آداب یا تسلیم
अभिनन्दन	ख़ैरमक़दम	خیر مقدم
अभिवादन	इस्तक़बाल	استقبال
स्वागतम्	खुशामदीद	خوش آمدید
शुभरात्रि	शब्ब-ख़ैर	شب بخیر
ईश्वर आपकी रक्षा करे	खुदा हाफिज़	خدا حافظ
बैठिये	तशरीफ़ रखिए	تشریف رکھیے
आईए	तशरीफ़ लाईए	تشریف لائیے
खाईए-पीजिए	नोश फ़रमाईए	نوش فرمائیے
खाईये	तनावुल फ़तमाईए	تناول فرمائیے
राष्टपति	सदरे मुमलिकत	صدر مملکت
अध्यक्ष	सदर	صدر
प्रधानमंत्रि	वज़ीरे आज़म	وزیر اعظم
मुख्यमंत्रि	वज़ीरे आला	وزیر اعلیٰ

मंत्रि	वज़ीर	وزیر
राज्य मंत्रि	वज़ीरे मुमलिकत	وزیرمملکت
विदेश मंत्रि	वज़ीरे ख़ार्ज़ा	وزیرخارجہ
गृह मंत्रि	वजीरे दाख़ला	وزیرداخلہ
रक्षा मंत्रि	वज़ीरे दिफ़ा	وزیردفع
वायु सेना	फज़ाइया	فضائیہ
थल सेना	बहेरिया	بحریہ
जल सेना	बर्री	برّی
महाद्वीप	बर्रे आज़म	برّاعظم
महासागर	बहरे आज़म	بحراعظم
अदरणीय	इज़्ज़त म-आब	عزّت مآب
महोदय	आलीजनाब	عالی جناب
भवदीय	नियाज़मन्द	نیازمند
सेवा में महोदय	बख़िदमत जनाब	بخدمت جناب
निवेदन	गुजारिश	گزارش
भेजा हुआ	मुर-सिला	مرسلہ
भेजना	इर-साल	ارسال

منسلک	मुनसलिक	संलग्न
ہم رشتہ	हमरिशता	एक साथ
خاکسار	ख़क़सार	नाचीज़
دیرطلب	देर तलब	विलम्ब
جواب طلب	जवाब तलब	पूछ-ताछ
بروقت	बर-वक़्त	अविलम्ब
بجنسہ	बेजिंस्	बिल्कुल उसी जैसे
تصدیق نامہ	तशदीक़नामा	प्रमाण-पत्र
حلف نامہ	हल्फ़-नामा	शपथ-पत्र
ظاہر	ज़ाहिर	स्पष्ट
زاہد	ज़ाहिद	सुचरित्र
باطن	बातिन	गुप्त
ازل	अज़ल	श्रृष्टि के आरम्भ से
اَبد	अबद	श्रृष्टि के अन्त तक
حکمت	हिकमत	समझ-बूझ
انتہا	इन्तिहा	अति
قدرت	कुदरत	प्रकृति

सीमा	हद	حد
अतिरिक्त	अलावा	علاوہ
प्रचीन	क़दीम	قدیم
साधारण	हक़ीर	حقیر
विराट	अज़ीम	عظیم
अनुयायी	उम्मती	امّتی
तेज(रौशनी)	तजल्ली	تجلّی
अंधकार	तीरगी	تیرگی
लाचार	आजिज़	عاجز
समझ-बूझ	अक़्लो ख़िरद	عقل وخرد
सर झुका हुआ	सरनिगूँ	سرنگوں
अपनत्व	कुरबत	قربت
दूरी	फ़ासला	فاصلہ
परम्परायें	क़दरें	قدریں
उत्तराधिकारी	वारिस	وارث
समर्पित	इन्तेसाब	انتساب
ओस	शबनम	شبنم

ठंडा	खुलक	خنک
सुन्दर	हसीन	حسین
विचारधरायें	ख़यालात	خیالات
बातचीत,शायरी, कविता	कलाम	کلام
अच्छी आवाज़ से पढ़नेवाला	क़ारी	قاری
एक रंग हो जाना	यकरंगी	یک رنگی
गीत	नग़मा	نغمہ
कड़वाहट	तलख़ी	تلخی
ख़ून	लहू	لہو
रोना पीटना, फरियाद	आह-ओ-फुग़ाँ	آہ وفغاں
विनती करना	फरयाद करना	فریاد کرنا
अध्ययन	मुताला	مطالعہ
ग़रीब	मुफ़लिस	مفلس
वास्तविकता	अहवाले वाक़ई	احوال واقعی
सम्मान	एज़ाज़	اعزاز
पानी औत मिटटी्	आब-ओ-गिल	آب وِ گل

حمد	हम्द	प्रशंसा
عالمین	आलमीन	दोनो लोक
سبب	सबब	कारण,वजह
بازگشت	बाज़गशत	झलक,प्रतिध्वनि
شجر	शजर	पेड़
مشغلہ	मशग़ला	शौक़
جوئے شیر لانا	जूए शीर लाना	बहुत मुश्किल काम को करना
ولولہ	वलवला	उत्साह
دستک	दस्तक	खटखटाना
حنا	हिना	मेंहन्दी
جنازہ	जनाज़ा	अर्थी
صلیب	सलीब	सूली
تبسم	तबस्सुम	मुस्कान,मुस्कुराहट
نمائش گاہ	नुमाइश गाह	प्रदर्शनी स्थल
نشتر	नशतर	चीरा लगाने के लिए तेज़धार का औज़ार
جنبش	जुम्बिश	हिलाना

बड़ाई	अज़मत	عظمت
सूफी संतों का पूजा स्थल	ख़ानक़ाह	خانقاہ
राय ख़राब हो जाना	बदज़न	بدظن
बुरे अन्देशे पैदा होना	बदगुमान	بدگمان
पर्दा	हिजाब	حجاب
वातावरण	गरदूँ	گردوں
सूर्योदय की लाली	उफक़	اُفق
सूर्यास्त की लाली	शफ़क़	شفق
पुकारना	बाँग	بانگ
मुलाक़ात, मौत	विसाल	وصال
आरम्भ	इब्तिदा	ابتداء
साहस	जुरअत	جرأت
मनोरथ	मुद्दआ	مُدّعا
लज्जा	हया	حیا
घमण्ड, नख़रा, गर्व	नाज़	ناز
सदैव, हमेशा	सदा	سدا

आवाज़	सदा	صدا
कामना	आरज़ू	آرزو
होंट	लब	لَبْ
वार्तालाप,बातचीत	गुफ़तगू	گفتگو
प्रेम, प्यार	उल्फ़त	اُلفت
सिलवट, बल	शिकन	شکن
त्रुटि	लग़ज़िश	لغزش
बिखरना, अशांत	मुनतशिर	منتشر
लड़खड़ाना	लरज़िश	لرزش
हरकत	जुम्बिश	جُنبِش
आनन्दमय	पुरलुत्फ़	پرلطف
नाव	सफ़ीना	سفینہ
नशा, मस्ति	सुरूर	سرور
परिपूर्ण	मामूर	معمور
फ़रिश्ता	मलक	مَلک
विदा	रूख़सत	رخصت
दिशा	सम्त	سمت

उपवन	चमन	چمن
झगड़ा पैदा करना या होना।	फ़ितना	فِتنہ
मूलकारण, स्रोत	सर्चश्मा	سرچشمہ
आसमान,आकाश	अफ़लाक	افلاک
खोया हुआ	गुमशुदा	گمشدہ
मीठी	शीरीं	شیریں
कली	गुंचा	غنچہ
जेल, पिंजड़ा	क़फ़स	قفس
क़ैदी	असीर	اسیر
फूट	तफरक़ा	تفرقہ
आनेवाला कल	फर्दा	فردا
आकाश	चर्ख़	چرخ
कानाफूसी	सरगोशी	سرگوشی
प्रगट,प्रस्तुत	इज़्हार	اظہار
आनन्द	मुसर्रत	مسرّت
रात	शब	شب

पहनावा	पैरहन	پیرہن
सभा	बज़्म	بزم
आनन्द	निशात	نشاط
नृत्य	रक़्श	رقص
हाथ	दस्त	دست
पैर	पा	پا
आमने-सामने बात-चीत	हमकलाम	ہم کلام
पवित्रता	पाकीज़गी	پاکیزگی
चाँदी	सीम	سیم
सोना	ज़र	زر
जंगल	दश्त	دشت
सभ्यता	तहज़ीब	تہذیب
नया	नौ	نو
छज्जा	बाम	بام
दरवाज़ा	दर	در
बिजली	बर्क	برق
उपासक	परस्तार	پرستار

चिंगारी	शरारह	شراره
दु:खभरी आवाज़	नाला	نالہ
धर्ती	अर्ज	ارض
आकाश	समाँ	سماں
संसार	जहाँ या जहाँन	جہاں،جہاں
निकाह के लिये निश्चित धनराशि	मेहर	مہر
लापरवाही	तग़ाफुल	تغافل
बदनामी	रूसवाई	رسوائی
वियोग	फुर्क़त	فرقت
कल्पना	तसव्वुर	تصور
सम्पूर्ण	तकमील	تامیل
जीवन, जीवित	हयात	حیات
सृष्टि	कायनात	کائنات
जागना	बेदार	بیدار
सूरज	महर	مہر
चाँद	मह	مہ

किरण	शुआ	شعاع
सोया हुआ	ख़ाबीदा	خوابیدہ
अंग	अज़ू	عضو
मौत	अजल	اجل
चोगा	क़बा	قبا
संसार	आलम	عالم
चेहरा	रूख	رُخ
आरम्भ	आग़ाज	آغاز
बेचैन	मुज़तर	مضطر
भीगी आँख	दीद-ए-तर	دیدۂ تر
मुहँ	दहन	دہن
स्वर्ग की नहर	तसनीम	تسنیم
मज़ा	कैफ़	کیف
स्वर्ग	खुल्द	خُلد
माथा	जबीं	جبیں
उन्माद	जुनूँ	جُنوں
फ़ौज	लश्कर	لشکر

गुप्त, छुपा हुआ	पोशीदा	پوشیدہ
क्षण	लम्हा	لمحہ
छुपा हुआ	पिन्हाँ	پنہاں
अलिंगन	हम-आगोश	ہم آغوش
कंधा	शाना	شانہ
कालेबाल	काकुल	کاکل
चूमना	बोसोकिनार	بوس وکنار
प्रकट,ज़ाहिर	अयाँ	عیاں
संदेश	पैग़ाम	پیغام
अर्थहीन	बेमाना	بےمعنی
शरीर	पैकर	پیکر
स्वाद	लज्ज़त	لذّت
मित्र	हमदम	ہمدم
पुराना	दैरीना	دیرینہ
हतोत्साह	बेमायगी	بے مائیگی
संयम,बर्दाश्त	ज़ब्त	ضبط
सच्चाई, अधिकार	हक़	حق

ज़िन्दगी	ज़ीस्त	زیست
संदेश	पयाम	پیام
पछतावा	पशेमाँ	پشیماں
खुश, प्रसन्न	मसरूर	مسرور
परस्पर	बाहम	باہم
दर्शन	दीद	دید
सूरज	खुर्शीद	خورشید
दुख़,जलन	सोज़	سوز
तर्कशास्त्र	मंतिक़	منطق
स्वपन, फल	ताबीर	تعبیر
दार्शनिक	फ़लसफ़ी	فلسفی
दर्शनशास्त्र	फ़लसफ़ा	فلسفہ
छुपा हुआ	निहाँ	نہاں
शिल्पकारी किया हुआ	तराशीदा	تراشیدہ
अहं	अना	انا
स्वर्ग	फिरदौस	فردوس
सुबह की हवा	सबा	صبا

यौवन	शबाब	شباب
उदय	तुलू	طلوع
सितारा	अन्जुम	انجم
अज्ञान	जहल	جہل
परम्परा	रिवायत	روایت
निवाला	लुक़मा	لقمہ
मौत	मर्ग	مرگ
आसमान	अर्श	عرش
हृदय	क़ल्ब	قلب
अंधेरा, नकारना	कुफ्र	کُفر
रक्षक	निगेहबान	نگہبان
अचानक	नगाहाँ	ناگہاں
भंवर	गरदाब	گرداب
अप्रसन्न	नाशाद	ناشاد
प्रसन्न	शाद	شاد
बदला	सिला	صلہ
फ़ासी का तख़्ता	दारो-रसन	دارورسن

महल	क़स्र	قصر
दर्शन देना	जलवाफ़िगन	جلوہ فگن
कांटे	ख़ार	خار
प्यार	हबीब	حبیب
अजनबी	ना-आशना	نا آشنا
अपने आपको पहचानना	खुदबीनी	خود بینی
पलक	मिझगाँ	مژگاں
इन्द्रधनुष	कौसो-क़ज़ाह	قوس وقزح
तलवार	तेग़	تیغ
प्रलय, क़यामत	महशर	محشر
असत्य	बातिल	باطل
व्यवस्था	निज़ाम	نظام
प्रेम, भाईचारा	उख़ूव्वत	اخوت
विराह	हिजराँ	ہجراں
बातचीत	गुफतार	گفتار
दुःख	आजार	آزار
संगीत	मौसीक़ी	موسیقی

گہوارہ	गहवारः	पालना, झूला
سخن	सुख़न	भाषा
ظلمت	ज़ुल्मत	अंधकार
تذکرہ	तज़किरा	चर्चा
کہکشاں	कहकशाँ	आकाशगंगा
ماہ	माह	चाँद, महीना
قلندر	क़लन्दर	जोगी, योगी
مکاں	मकाँ	दुनिया
لامکاں	लामकाँ	असीमित
دہر	दहर	ज़माना
زیروزبر	ज़ेरोज़बर	उलट पलट
آہنگ	आहंग	संगीत
عار	आ़र	बांध
امّت	उम्मत	समुदाय
ہم نشیں	हमनशीं	साथी
نوخیز	नौख़ेज़	नवांकुरित
التجا	इलतिज़ा	प्रर्थना

अमर	जावेदानी	جاویدانی
चित्रकार	मुसव्विर	مصور
नश्वर	फ़ानी	فانی
भवें	अब्रू	اَبرُو
बातचीत	तकल्लुम	تکلم
आयु	सिन	سن
सूफी या पीर की दरगाह	आस्ताना	آستانہ
जीर्ण-शीर्ण	बोशीदा	بوشیدہ
अप्रचलित	फ़रसूदा	فرسودہ
जान निकलने की हालत	नज़ा	نزع
पीड़ा,दुःख	कर्ब	کرب
भयंकर	हौलनाक	ہولناک
लुटेरा	रहज़न	رہزن
दरबार	बारगाह	بارگاہ
भविष्य	मुस्तक़बिन	مستقبل
वर्तमान	हाल	حال
भूत काल, बीता हुआ	माज़ी	ماضی

سौन्दर्य	जमाल	جمال
भिखरी	गदा	گدا
तहस-नहस	पायमाल	پائمال
तेज़, प्रताप	जलाल	جلال
दासी	कनीज़	کنیز
पीछा करना	त-आकुब	تعاقب
आवाज़	निदा	ندا
समानता	मसावात	مساوات
चाँद	क़मर	قمر
फल	समर	ثمر
ग़रीबी	अफ़लास	افلاس
दुनिया, ज़माना	गीती	گیتی
फूल सा चेहरा	गुले रूख़	گل رُخ
गुप्त स्थान	कमींगाह	کمیں گاہ
निराश, उदास	आज़ुर्दा	آزردہ
प्रकाशमय	दरख़-शाँ	درخشاں
गुलाम	महकूम	محکوم

लगातार	मुसलसल	مسلسل
तेज़, चमक	ताबानी	تابانی
प्यासा	तिशना	تشنہ
प्यास	तिश्नगी	تشنگی
मानव	बशर	بشر
तीख़ी, तेज़	तुंद	تند
मौत	हलाकत	ہلاکت
शरीर	जस्द	جسد
क़दम	गाम	گام
युग,ज़माना	अहद	عہد
लीन	सर शार	سرشار
रात	शबिस्तान	شبستان
मित्र,साथी	हम नफ़स	ہم نفس
अग्निशाला	आतिशक़दा	آتشکدہ
उचित	वाजिब	واجب
संभावना	इमकान	امکان
धन्य,शाबास	आफ़रीं	آفریں

विशेष प्रबन्ध	एहतेमाम	اہتمام
जनता	ख़िलक़त	خلقت
गिरजाघर	कलीसा	کلیسہ
प्रतिज्ञा	अज़्म	عزم
अमर रहे	पाइन्दाबाद	پائندہ آباد
झंड़ा	पर्चम	پرچم
कंधा	दोश	دوش
धर्म	दीन	دین
सुगंध	शमीम	شمیم
न्याय	अदल	عدل
दुल्हन	उरूस	عروس
वातावरण	फ़ज़ा	فضا
मन्दिर	दैर	دیر
मस्जिद,परदे की जगह सम्मान का स्थान	हरम	حرم
अलिंगन	हमकिनार	ہمکنار
मित्र,प्रिय	नदीम	ندیم
कानाफूसी	शरगोशी	سرگوشی

जगह	जा	جا
मदिरा,शराब	बादा	بادہ
अधूरा	नातमाम	ناتمام
लम्बा	दराज़	دراز
भीड़, समूह	हुजूम	ہجوم
पत्ता	बर्ग	برگ
प्रेमी, प्रेमीका	जानाँ	جاناں
शक्तिहीनता	नातवानी	ناتوانی
मार्ग	रहगुज़र	رہگذر
उथल-पुथल	तुग़यानी	طغیانی
मार्गदर्शक	राहबर	راہ بر
विद्रोह	बग़ावत	بغاوت
छुटकारा	नजात	نجات
आश्रय	पनाह	پناہ
अत्याचार	जोर	جور
उदास	अफ़सुर्दा	افسردہ
हंसली	तौक़	طوق

हंगामा	शोरिश	شورش
तलाश	जुस्तजू	جستجو
परेशानी से छुटकारा दिलाने वाला	चारागर	چارہ گر
अक्षर	हर्फ़	حرف
निष्ठा	वफ़ा	وفا
अर्पित	वक़्फ़	وقف
मुसीबत	अलम	اَلَمُ
सुबह	सहर	سحر
गली	कूचा/ कू	کوچہ/کو
पारा	सीमाब	سیماب
सामान	रख़्त	رخت
बुद्धि	ख़िरद	خرد
फूल	गुल	گل
पहाड़	कोह	کوہ
आँसू	अश्क	اشک
लालसा	हवस	ہوس

छाला	आबला	آبلہ
धर्म गुरू	पीरे मुग़ाँ	پیرمغاں
बुरा विचार	वसवसा	وسوسہ
गुलाब जैसा रंग	गुल-गूँ	گل گوں
सुबह की हवा	बादे सबा	بادصبا
लाभ-हानि	सूद-ओ-ज़ियाँ	سودوزیاں
सीपी	सदफ़	صدف
ईश्वर की इच्छा	मशीयत	مشیّت
पहेली	मुअम्मा	معمہ
उपाय	दरमाँ	درماں
ढाढ़स, सांत्वना	तस्कीन	تسکین
प्रशंसा, सम्मान	पिज़ीराई	پذیرائی
लिहाज़	पास	پاس
क्षतिपूर्ति	मुदावा	مُداوا
निस्वार्थ	इख़लास	اخلاص
तलाश करने वाला	मुतलाशी	متلاشی
विरह	फ़ुर्क़त	فُرقت

मृगतृष्णा	सराब	سراب
बुलबुला(पानी का)	हुबाब	حباب
वर्तमान युग	दौराँ	دوراں
जादू	फुसूँ	فسوں
अमृत	आबे हयात	آبِ حیات
घेरा	नरग़ा	نرغہ
आक्रमण	यलग़ार	یلغار
तिलक	क़शक़ा	قشقہ
वध-स्थल	मक़तल	مقتل
जाल	दाम	دام
कल्पना	तख़य्युल	تخیل
घाटी	वादी	وادی
पक्षी	तायर	طائر
उड़ान	पर्वाज़	پرواز
सुनहरी,	ज़र्री	زریں
जिगर का टुकड़ा या बेटा	लख़ते-जिगर	لختِ جگر
मिलन	विसाल	وصال

मुट्ठी	मुश्त	مشت
प्याला	खुम	خُم
कोना	ग़ोशा	گوشہ
उदारता	मुश्फ़िक़	مشفق
उपकारी	मोहसिन	محسن
उज्जवल, दीप्त	मुनव्वर	منور
अर्वाचीन, नवीन	जदीद	جدید
गद्य	नस्र	نثر
पद्य, प्रबन्ध	नज़्म	نظم
अण्डा	बैज़ा	بیضہ
समान, की तरह	मिस्ल	مثل
प्रकाशक	नाशिर	ناشر
मुद्रण,छपाई	तबा अत	طباعت
विभाग	शोबा	شعبہ
कवि	शायर	شاعر
परिचय	त-आ-रूफ़	تعارف
शुभ नाम	इस्मे शरीफ़	اسم شریف

خادم	ख़दिम	सेवक
خاوند	ख़ाविन्द	पति
مقصد	मक़सद	उद्देश्य
مقبول	मक़बूल	मान्यता प्राप्त
تخلیق	तख़लीक़	रचना, कृति
ذوق	ज़ौक़	रूचि
مجموعہ	मजमूआ	संग्रह
اشاعت	इशाअत	प्रकाशित या प्रकाशन
اجلاس	इजलास	सभा
افتتاح	इफ़तेताह	उद्घाटन
شائع کرنا	शा-ए करना	प्रकाशित करना
نامور	नामवर	प्रसिद्व, मशहूर
بروقت	बर-वक़्त	तत्काल
امر	अम्र	काम,कार्य,बात
نایاب	नायाब	बहुतकम मिलने वाली वस्तु
عنوان	उनवान	शीर्षक

लेख	तहरीर	تحریر
संम्बंध	तअ़ल्लुक़	تعلق
श्रद्वांजलि	ख़िराजे तहसीन	خراج تحسین
सर्मथक	क़ादिर	قادر
केन्द्र बिन्दु	महवर	محور
कोण	ज़ाविया	زاویہ
आलोचना,टिप्पणी	तन्क़ीद	تنقید
व्यक्तित्व	शख़सियत	شخصیت
व्यक्ति	शख़्स	شخص
विद्यार्थी	तालिबे इल्म	طالب علم
शराब का प्याला	साग़र	ساغر
मौत, शामत	क़ज़ा	قضا
पत्थरदिल, ज़ालिम	संगदिल	سنگ دل
बुत	सनम	صنم
बदले में (सिला)	एवज़	عوض
अल्पायु	कमसिन	کمسن